

दैनिक

मीडिया ऑडिटर

सतना, रीवा एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

: व्रीफ बॉक्स :

नेस्ले-पेप्सिको समेत कई कंपनियों को 150 नोटिस

डोमिनोज के पांच लाइसेंस सस्पेंड



नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार ने नियमों का पालन न करने पर कई प्रमुख फूड ब्रांड्स और रिटेल चेन के खिलाफ हाल के महीनों में करीब 150 नोटिस जारी किए हैं।

भारत की खाद्य सुरक्षा नियामक संस्था FSSAI ने ये नोटिस भ्रामक विज्ञापनों, झूठे दावों और लेबल से जुड़े नियमों का पालन नहीं करने पर दिए हैं। जिन कंपनियों को नोटिस जारी किए गए हैं। उनमें नेस्ले इंडिया, पेप्सिको, कोका-कोला इंडिया जैसी बड़ी कंपनियां शामिल हैं।

इसके अलावा अमेजन और फ्लिपकार्ट समेत ई-कॉमर्स कंपनियों को भी नोटिस जारी किए गए हैं। वहीं केएफसी, मैकडॉनल्ड्स, पिज्जा हट, डोमिनोज और कोस्टा कॉफी जैसे फूड सर्विस ब्रांड्स को भी नोटिस मिले हैं। FSSAI ने ई-कॉमर्स कंपनियों अमेजन और फ्लिपकार्ट को 12 नोटिस भेजे हैं। FSSAI ने कहा कि अमेजन के एक वेयरहाउस का लाइसेंस भी रद्द किया गया है।

जालंधर में देश की पहली बाज ड्रेन बटालियन तैनात

500 किलोमीटर से ज्यादा बॉर्डर, सरहद पर रखेगी नजर एयर स्ट्राइक रोकने में सक्षम



जालंधर, एजेंसी। जालंधर कैंटोनमेंट में आर्मी की 11वीं वज्र कोर ने देश की पहली बाज ड्रेन बटालियन की तैनाती की है। पंजाब जैसे सीमावर्ती राज्य में तैनात ये पहली ड्रेन यूनिट है। पंजाब के पाकिस्तान के साथ लगते 500 किलोमीटर से ज्यादा बॉर्डर पर ड्रेन यूनिट दूर के निगरानी रख पाएगा।

इसके अलावा सामान की स्प्लाइ और जरूरत पड़ने पर दुश्मन की एयर स्ट्राइक को रोकने की कैपेसिटी रखती है। नई बटालियन की तैनाती को लेकर आर्मी ने एक्स पोस्ट कर जानकारी दी और इसकी तस्वीरें भी साझा की।

बताया गया कि ख्वदेशी भारत में ही बने घातक ड्रेन के साथ-साथ अमेरिकी और इजरायली तकनीक वाले हेरॉन और हर्मीस जैसे अत्याधुनिक ड्रोन्स को इसमें शामिल किया गया है। यूनिट में टेक्नीकल सैन्य विशेषज्ञों की टीम तैनात की गई है, जो रियल-टाइम में हाई-रेजिटी डेटा प्रोसेसिंग, सॉफ्टवेयर अपडेट्स और आधुनिक ड्रेन वारफेयर को संभालने में सक्षम है।

तिरंगे की शान और 140 करोड़ देशवासियों के सपना ही अंतरिक्ष में भारत का संकल्प: पीएम मोदी



नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस के अवसर पर कहा कि तिरंगे की शान और 140 करोड़ देशवासियों के सपने ही अंतरिक्ष में भारत का संकल्प है। इस अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर जारी एक वीडियो में कहा, 'मैंने अयोध्या में कहा था कि यह नए काल की शुरुआत है इस नए काल क्षेत्र में ग्लोबल ऑर्डर में भारतक अपना स्पेस लगातार बढ़ा बना रहा है। हम सबने मिलकर 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प लिया संकल्प को सिद्ध तक पहुंचाने में स्पेस सेक्टर की भूमिका बहुत बड़ी है। आज ये जेन जी इंजीनियर, जेन जी डिजाइनर और जेन जी वैज्ञानिक नई नई टेक्नोलॉजी बना रहे हैं।' उन्होंने कहा कि 'प्रपल्शन सिस्ट' 'कंपोजिट मटीरियल' या सैटेलाइट प्लेटफॉर्म ही भारत का युवा आज उन क्षेत्रों में काम कर रहा है जिनकी कुछ साल पहले कल्पना भी संभव नहीं थी।

भ्रष्टाचार और ड्रग्स के लिए सिंगा-पुर जैसे कड़े कानून लाएं

● जोहो फाउंडर श्रीधर वेम्बू ने तमिलनाडु सीएम विजय से फांसी देने की मांग की

चेन्नई, एजेंसी। जोहो फाउंडर श्रीधर वेम्बू ने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री जोसेफ विजय को ड्रग डीलिंग और हाई-लेवल करप्शन के खिलाफ सिंगापुर जैसे कड़े कानून बनाने की सलाह दी है। उन्होंने कहा कि भविष्य में होने वाले भ्रष्टाचार के लिए फांसी का प्रावधान किया जाना चाहिए। वेम्बू ने रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर एक पोस्ट के जरिए मुख्यमंत्री को यह सुझाव दिया। असली समस्या जवाबदेही और पारदर्शिता की कमी है सेंथिल कुमार ने उन मामलों का हवाला दिया जिनमें अमीर राजनेताओं पर भ्रष्टाचार के आरोप लगते रहे हैं। उन्होंने कहा कि निचले स्तर के सरकारी कर्मचारियों के पास भी कथित तौर पर 20 करोड़ रुपए या उससे अधिक की संपत्ति मिली है। उन्होंने कहा, 'मुद्रा सिर्फ वेतन के स्तर का नहीं है, बल्कि जवाबदेही, पारदर्शिता और प्रभावी प्रवर्तन की कमी का है।'

सीएम विजय का दावा-

सिर्फ सैलरी बढ़ाने से भ्रष्टाचार नहीं खत्म होगा: सेंथिल... वेम्बू के इस सुझाव की एक फाइनैशियल एडवाइजर सेंथिल कुमार ने आलोचना की है। उन्होंने तर्क दिया कि केवल वेतन बढ़ाने से भ्रष्टाचार खत्म नहीं होगा। सेंथिलकुमार ने कहा, 'मैं इस तर्क का कड़ा विरोध करता हूँ कि IAS, IPS के वेतन में वृद्धि से भ्रष्टाचार खत्म हो जाएगा।'



हमारे पास पिछली सरकार के करप्शन की फाइलें हैं: तमिलनाडु की सत्ता में आने के बाद से मुख्यमंत्री विजय लगातार कह रहे हैं कि उनकी पार्टी झड़्ड्य का लक्ष्य एक 'भ्रष्टाचार मुक्त सरकार' प्रदान करना है। इसी हफ्ते विजय ने विधानसभा में दावा किया कि उनके पास पिछली DMK सरकार के दौरान हुए भ्रष्टाचार के सबूतों वाली फाइलें हैं, जिन्हें वे सही समय पर सार्वजनिक करेंगे।

फ्रांस के पहले बीएपीएस हिंदू मंदिर का उद्घाटन सितंबर में

● 13 दिन चलेगा भारतीय संस्कृति उत्सव ● पेरिस से 30 किमी दूर बना

पेरिस, एजेंसी। फ्रांस में पेरिस से करीब 30 किमी दूर बुसी-सेंट-जॉर्जेस में बने BAPS स्वामीनारायण हिंदू मंदिर का सितंबर 2026 में उद्घाटन होगा। इसे फ्रांस का पहला बड़ा हिंदू मंदिर बताया जा रहा है।

उद्घाटन के साथ 2 से 14 सितंबर तक 13 दिन का 'फेस्टिवल ऑफ कल्चर' आयोजित होगा। इसमें हिंदू परंपराओं, भारतीय कला, संगीत और संस्कृति से जुड़े कार्यक्रम होंगे। लोगों को भारतीय संस्कृति को करीब से जानने और समझने का मौका मिलेगा।



मंदिर सिर्फ पूजा की जगह नहीं होगा। यहां सांस्कृतिक और सामुदायिक कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे।



उद्घाटन और उत्सव में भारतीय मूल के लोगों के साथ हिंदू समुदाय और भारतीय संस्कृति में रुचि रखने वाले

यूपी में रसोइयों का 5 लाख तक फ्री इलाज होगा

साड़ी के लिए 1000 मिलेगा, मानदेय भी एक हजार बढ़ाया

लखनऊ, एजेंसी। यूपी में सरकारी स्कूलों में रसोइयों के लिए सीएम योगी ने रविवार को 4 घोषणाएं कीं। पहली- महीने का मानदेय 2 हजार से बढ़कर 3 हजार रुपए किया। दूसरी- 5 लाख रुपए तक कैशलेस इलाज की सुविधा दी गई। तीसरी- दुर्घटना होने पर 2 लाख रुपए की तत्काल सहायता मिलेगी। चौथी- साड़ी के लिए 500 रुपए को बढ़ाकर 1 हजार किया जाएगा।

लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित समारोह में योगी ने 'पीएम पोषण योजना' से जुड़ी 1500 रसोइयों को संबोधित किया। 11 को मंच पर सम्मानित किया। उन्हें बड़े हुए मानदेय का चेक, कैशलेस हेल्थ कार्ड, सुरक्षा किट दी। यूपी के 3.53 लाख



रसोइयों को इसका लाभ मिलेगा। योगी ने कहा- पहले हादसा होने पर रसोइयों के परिवार के सामने संकट खड़ा हो जाता था। अब बेसिक शिक्षा परिषद ने स्टेट बैंक के साथ मिलकर खाते खुलवाए हैं। हादसा होने पर बैंक की ओर से 2 लाख रुपए की तत्काल सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। योगी ने सपा प्रमुख अखिलेश यादव के उस बयान पर

भी निशाना साधा, जिसमें उन्होंने कहा था कि परिवार के 5 सांसद हैं। इसलिए सपा नहीं टूटी। योगी ने कहा- अखिलेश यादव कहते हैं कि परिवार के 5 सांसद हैं, तभी सपा बची है।

इन लोगों ने प्रदेश को लूटकर गुंडा प्रदेश बना दिया था। जमीनों पर कब्जे होते थे। बेटियों की सुरक्षा में सेंध लगती थी। अब कोई बेटियों को छेड़ नहीं सकता।

केंद्र में खाली पद 10 साल में दोगुने: 4.2 लाख से बढ़कर 8.24 लाख हुए

सरकारी कंपनियों में 49% कर्मचारी ठेके पर, पहले 19% थे

नई दिल्ली, एजेंसी। बीते एक दशक में केंद्र सरकार के खाली पद करीब दोगुने हो गए। 2015 में 4.21 लाख पद खाली पद (16.2%) खाली हैं। हेल्थ में भी वेकेंसी की शून्य से 6% पहुंच गई। गृह मंत्रालय में मंजूर पद करीब 1.02 लाख बढ़े, जबकि भर्तियां करीब 49,621 बढ़ीं। यानी निपुणता हुई, लेकिन

केंद्र के 80 मंत्रालयों और विभागों में 39,23,212 पद मंजूर... केंद्र के सिविल एमर्लॉइज के वेतन और भत्तों से जुड़ी व्वय विभाग की रिपोर्ट के अनुसार, केंद्र के 80 मंत्रालयों और विभागों में 39,23,212 पद मंजूर हैं। इनमें से 30,99,656 पद भरे और 8,23,556 खाली हैं। जबकि 2015 में मंजूर 36,49,468 पदों में से 32,28,921 भरे और 4,20,547 खाली थे।



स्वीकृत पद उससे कहीं तेजी से बढ़े। ऐसे में, रिक्तियां 58,774 से बढ़कर 1,10,885 हो गईं। खाली पदों पर कर्मचारियों की आउटसोर्सिंग के लिए सरकारी विभाग जीईएम (गवर्नमेंट ई-मार्केट प्लेस) प्लेटफॉर्म प्रयोग करते हैं।

दरअसल, इकोनॉमिक्स

रसोइया सिर्फ पेट नहीं, बच्चों का पोषण तैयार करता है... सीएम ने कहा- रसोई का मतलब सिर्फ पेट भरने के लिए भोजन तैयार करना नहीं, बल्कि बच्चों को पोषण देना भी है। रसोइय देश के बचपन को स्वस्थ बनाने का काम कर रहे हैं। लेकिन पहले उनके स्वास्थ्य की चिंता नहीं की जाती थी। अब एलपीजी की व्यवस्था से उन्हें कोयले और लकड़ी के धुएँ से भी मुक्ति मिली है।

वरना उसकी यमराज से मुलाकात हो जाएगी।

आप जिन विद्यालय में काम करती हैं, वहां रसोई साफ-सुथरी रखें। पौष्टिक भोजन बच्चों को उपलब्ध कराएं। यही बच्चे देश और प्रदेश का भविष्य हैं।



नई दिल्ली, एजेंसी। भारत एक तरफ जहां अपने तीसरे राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस पर चंद्रयान-3 की ऐतिहासिक सफलता और इसरो की किफायती तकनीक का जश्न मना रहा है, वहीं कैम्ब्रिज और द्यूरिन यूनिवर्सिटी के नए अध्ययन ने भारतीय अंतरिक्ष प्रतिष्ठान पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

दरअसल, इकोनॉमिक्स

ओडिशा के पास चीनी कू वाला जहाज डूबा

इंडियन कोस्ट गार्ड-नेवी ने रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया

नई दिल्ली, एजेंसी। ओडिशा के पागदीप तट से करीब 240 समुद्री मील दूर बंगाल की खाड़ी में शनिवार को MV Ocean Winner नाम का एक मालवाहक जहाज डूब गया।

पनामा के झंडे वाले इस जहाज पर 24 कू सदस्य सवार थे। दो को बचा लिया गया है, बाकी की तलाश जारी है। पीटीआई के मुताबिक, कू में 20 चीन के, 3 व्थॉमर और एक बांग्लादेश से है।

जहाज ओडिशा से लौह अयस्क लेकर सिंगापुर जा रहा था। यह शुक्रवार को ओडिशा तट से खाना हुआ था। जहाज के डूबने की वजह अभी पता नहीं चल पाई है।

हादसे के समय बंगाल की

24 लोग सवार थे



खाड़ी में मौसम भी पूरी तरह सामान्य नहीं था। मौसम विभाग ने उत्तर बंगाल की खाड़ी में कम दबाव का क्षेत्र बनने की संभावना

जताई थी। इससे समुद्र में मौसम खराब हो सकता है। हालांकि, जहाज इसी वजह से डूबा, इसकी अभी पुष्टि नहीं हुई है।

इंडियन कोस्ट गार्ड और नेवी का रेस्क्यू ऑपरेशन... हादसे की जानकारी मिलते ही इंडियन कोस्ट गार्ड और इंडियन नेवी ने कू सदस्यों की तलाश और बचाव अभियान शुरू कर दिया। आसपास मौजूद दूसरे जहाजों को भी अलर्ट किया गया है और रेस्क्यू में मदद करने को कहा गया है।

कैम्ब्रिज की रिपोर्ट में दावा- भारत का रॉकेट लॉन्च महंगा, इसरो ने स्टडी को किया खारिज

लेटर्स में प्रकाशित शोध के अनुसार, भारत की प्रति किलोग्राम पेलोड लॉन्च लागत दुनिया की प्रमुख अंतरिक्ष शक्तियों में सबसे अधिक (13,302 डॉलर प्रति किग्रा) है, जो अमेरिका की तुलना में लगभग चार गुना ज्यादा है। हालांकि, इसरो के अध्यक्ष डॉ. वी. नारायणन ने रिसर्च के आंकड़ों को गलत बताते हुए इस रिपोर्ट को सिरे से खारिज कर दिया है।

क्या कहती है कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी की रिपोर्ट? कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी के अर्थशास्त्री एलेक्सिओ टेरजी की एक नए अध्ययन ने भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम से जुड़ी

रॉकेट लॉन्चिंग प्रमुख अंतरिक्ष शक्तियों में सबसे महंगे हैं। जहां 2025 में वैश्विक औसत लॉन्च लागत 3,868 डॉलर प्रति किलोग्राम थी, वहीं अमेरिका में यह औसत 3,225 डॉलर प्रति किलोग्राम, जापान में 5,287 डॉलर, चीन में 5,809 डॉलर, रूस में 6,682 डॉलर और यूरोप में 9,897 डॉलर थी। इसमें भारत 13,302 डॉलर प्रति किलोग्राम के साथ सूची में सबसे ऊपर था।

कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्री एलेक्सिओ टेरजी और इटली के पॉलिटेक्निको डी टोरिनो के फ्रांसिस्को निकोली के एक नए अध्ययन ने भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम से जुड़ी

भारत सबसे महंगा... कैम्ब्रिज और ट्यूरिन के शोधकर्ताओं का तर्क है कि जब कक्षा में पहुंचाए गए प्रति किलोग्राम की लागत के नजरिए से प्रक्षेपण अर्थशास्त्र की जांच की जाती है, तो भारत प्रमुख प्रक्षेपण प्रदाताओं में सबसे सस्ता नहीं बल्कि सबसे महंगा बनकर उभरता है।

प्रचलित मान्यताओं पर सवाल उठाए हैं। एक्सपिरर की प्रतिष्ठित पत्रिका इकोनॉमिक्स लेटर्स में प्रकाशित इस शोध में 1960 से 2025 के बीच हुए 6,740 से अधिक रॉकेट प्रक्षेपणों के डेटा का विश्लेषण किया गया है।

बारिश ने पहाड़ी राज्यों में मुश्किलें काफी बढ़ दी हैं... दूसरी ओर, इस मानसूनी बारिश ने पहाड़ी राज्यों में मुश्किलें काफी बढ़ा दी हैं। उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश के कई इलाकों में लगातार हो रही बारिश की वजह से जमीन धंसने और पहाड़ों पर लैंडस्लाइड (भूस्खलन) का गंभीर खतरा पैदा हो गया है।

पूरी तरह ठप हो गया है, जिससे सैकड़ों की संख्या में पर्यटक और स्थानीय लोग रास्ते में ही फंस गए हैं।



छत्तीसगढ़-स्कूल से लौटते समय 3 बच्चे नदी में बहे, मौत

यूपी के बाराबंकी में नाव चल रही; एमपी में 6 महीने पुरानी सड़क बही, पुल डूबा

रायपुर/लखनऊ, एजेंसी। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में स्कूल से घर लौट रहे तीन बच्चे घोघा नदी के तेज बहाव में बह गए। एक दिन बाद रविवार को तीनों बच्चों के शव बरामद कर लिए गए।

मौसम विभाग ने रविवार को प्रदेश के ज्यादातर हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश होने का अनुमान जताया है। उत्तर प्रदेश में भी बारिश और नदियों का जलस्तर बढ़ने से 19 जिलों में बाढ़ जैसे हालात हैं। बाढ़ के

चलते बाराबंकी में करीब 1,250 ग्रामीणों के लिए नाव ही आने-जाने का सहारा बनी हुई है। गांवों में पानी भरने से लोगों को रोजमर्रा के काम करने में भी परेशानी हो रही है। मध्य प्रदेश में लगातार

बारिश के चलते कई इलाकों में हालात बिगड़ गए हैं। सीधी में शनिवार को 104 करोड़ लागत से 6 महीने पहले बनी सड़क का बड़ा हिस्सा बारिश में बह गया। नरसिंहपुर में रेतघाट पुल पानी में डूब गया है। सतना में

बाइक समेत तीन लोग नाले में बह गए। इनमें दो लोग बच गए। तीसरा लापता है। पन्ना में उफनती नदी में एक डूबर बह गया। राष्ट्रीय राजमार्गों और संपर्क मार्गों पर चट्टानें गिरने के कारण कई जगहों पर यातायात

बालिका गृह में दो बच्चियों ने सहेली को डुबोकर मारा

मथुरा में रो-रोकर नाटक करती रहीं, पकड़ाई तो बोलीं- घर जाना था, इसलिए ऐसा किया

मथुरा, एजेंसी। मथुरा के वृंदावन में राजकीय बालिका गृह में लड़कियों ने 14 साल की सहेली को बाथरूम में डुबोकर मार डाला। पुलिस के मुताबिक, दोनों बालिका गृह से बाहर निकलना चाहती थीं। उन्हें लगा कि किसी की मौत होने पर बालिका गृह बंद हो सकता है और सभी लड़कियों को घर भेज दिया जाएगा। ज्यादात के बाद पुलिस पहुंची तो आरोपी लड़कियां रोने का नाटक करने लगीं। हंगामा शुरू कर दिया। उन्होंने दूसरी लड़कियों को भी अपने साथ कर



लिया। मृत किशोरी को न्याय दिलाने के नाम पर नारेबाजी की। CCTV कैमरों को तोड़ने की भी कोशिश की। पुलिस ने किसी तरह स्थिति संभाली।

शनिवार को पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट सामने आई। इसमें पानी में डूबने से किशोरी की मौत की पुष्टि हुई। पुलिस ने CCTV खंगाले तो पता चला कि बाथरूम में तीन किशोरियां गई थीं, लेकिन 45 मिनट बाद दो ही बाहर निकलीं। शक के आधार पर पुलिस ने दोनों से पूछताछ की। दोनों ने वारदात कबूल कर ली।

जिला सहकारी बैंक के कर्मचारियों को साइबर फ़ॉड से बचाव की ट्रेनिंग, गबन रोकने पर जोर

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिला सहकारी बैंक के अधिकारियों और कर्मचारियों की कार्यकुशलता बढ़ाने तथा बैंकिंग व्यवस्था को अधिक सुरक्षित बनाने के उद्देश्य से होटल आद्या में एक दिवसीय ऑन-लोकेशन कार्यशाला आयोजित की गई कार्यशाला का मुख्य विषय कोर बैंकिंग सॉल्यूशन (CBS) में गबन, धोखाधड़ी, केस स्टडी और उसके निवारण से जुड़े उपाय रहा कार्यशाला में बैंक अधिकारियों और कर्मचारियों को डिजिटल एवं तकनीकी बैंकिंग में होने वाली धोखाधड़ी के विभिन्न तरीकों की जानकारी दी गई साथ ही बैंकिंग लेन-देन को सुरक्षित रखने के लिए सतर्कता आधारित उपाय अपनाने पर जोर दिया गया। विशेषज्ञों ने CBS प्रणाली के माध्यम से होने वाले आधुनिक वित्तीय गबन और साइबर फ़ॉड के विभिन्न तौर-तरीकों के बारे में विस्तार से बताया बैंकिंग प्रणाली की संभावित कमजोरियों, संदिग्ध गतिविधियों की पहचान और



वित्तीय लेन-देन के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों पर चर्चा की गई प्रशिक्षण के दौरान पूर्व में सामने आए वास्तविक बैंकिंग गबन और धोखाधड़ी के मामलों की केस स्टडी भी प्रस्तुत की गई। इनके विश्लेषण के माध्यम से कर्मचारियों को बताया गया कि बैंकिंग प्रक्रियाओं में छोटी सी लापरवाही भी बड़े वित्तीय जोखिम का कारण बन सकती है ऐसे मामलों की पुनरावृत्ति रोकने के लिए प्रत्येक स्तर पर सतर्कता और निर्धारित प्रक्रियाओं का पालन जरूरी है।

पासवर्ड और यूजर आईडी साझा नहीं करने की सलाह: कार्यशाला में अंतर्किक जांच एवं नियंत्रण व्यवस्था को

मजबूत करने, पासवर्ड की सुरक्षा, यूजर आईडी और पासवर्ड किसी अन्य व्यक्ति के साथ साझा नहीं करने तथा दैनिक वित्तीय मिलान करने जैसे उपायों पर विशेष जोर दिया गया। इनके विश्लेषण के माध्यम से कर्मचारियों को बताया गया कि बड़े वित्तीय जोखिम का कारण बन सकती है ऐसे मामलों की पुनरावृत्ति रोकने के लिए प्रत्येक स्तर पर सतर्कता और निर्धारित प्रक्रियाओं का पालन जरूरी है।

सतर्कता के साथ कार्य करने का संकल्प दिलाया गया।

झमाझम बारिश के बावजूद बाणसागर डैम 18' खाली, 48 घंटे में 6.34' बढ़ा पानी



मीडिया ऑडीटर,शहडोल (निप्र)। जिले में लगातार हो रही बारिश के बावजूद बाणसागर डैम अभी पूरी तरह नहीं भर पाया है 23 अगस्त की सुबह 8 बजे तक जलस्तर बढ़कर 340.05 मीटर और लाइव स्टोरेज 4452.71 स्क्व्रु हो गया इस दौरान करीब 77 सेंटीमीटर जलस्तर बढ़ा और जलाशय में 344.65 स्क्व्रु पानी की वृद्धि हुई।

लाइव स्टोरेज 4108.06 मिलियन क्यूबिक मीटर (MCM) दर्ज किया गया था 23 अगस्त सुबह 8 बजे तक जलस्तर बढ़कर 340.05 मीटर और लाइव स्टोरेज 4452.71 स्क्व्रु हो गया इस दौरान करीब 77 सेंटीमीटर जलस्तर बढ़ा और जलाशय में 344.65 स्क्व्रु पानी की वृद्धि हुई।

पानी की आवक में आई कमी: बाणसागर डैम में पानी की आवक पिछले दो दिनों में कम हुई है। 21 अगस्त को दोपहर 12 बजे आवक 3519.43 क्यूमेक्स

थी जो 23 अगस्त सुबह 8 बजे घटकर 2152.30 क्यूमेक्स रह गई। यानी करीब 1367 क्यूमेक्स की कमी दर्ज की गई है हालांकि वर्तमान आवक अभी भी डैम से बाहर छोड़े जा रहे पानी से काफी अधिक है। 23 अगस्त को डैम का कुल आउटपुटो 110.40 क्यूमेक्स दर्ज किया गया इसमें पावर हाउस-III से 103.40 क्यूमेक्स तथा राइट बैंक कैनाल (RBC) और थितरी से एक-एक क्यूमेक्स पानी छोड़ा जा रहा है स्पिलवे और CWC हेड रेगुलेटर से डिस्चार्ज फिलहाल शून्य है डैम के सभी रेडियल गेट बंद हैं। बाणसागर का पूर्ण जलाशय स्तर (FRL) 341.64 मीटर निर्धारित है वर्तमान जलस्तर 340.05 मीटर है, यानी डैम अभी संक्रु से 1.59 मीटर नीचे है इसी वजह से स्पिलवे से पानी छोड़ने की जरूरत नहीं पड़ी है और सभी रेडियल गेट बंद रखे गए हैं।



मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। जिले के देवसर क्षेत्र में रविवार दोपहर कोयले से लदा ट्रक अनियंत्रित होकर सिंगरौली-सीधी नेशनल हाईवे पर पलट गया हादसा करीब 1 बजे हथीओदरा के पास हुआ। ट्रक के पलटने से उसमें भरा कोयला सड़क पर फैल गया जिससे हाईवे पर यातायात पूरी तरह बाधित हो गया देखते ही देखते सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गई तेज बारिश के बीच जाम में फंसे बस यात्रियों और वाहन चालकों को काफी परेशानी डेम अभी संक्रु से 1.59 मीटर नीचे है इसी वजह से स्पिलवे से पानी छोड़ने की जरूरत नहीं पड़ी है और सभी रेडियल गेट बंद रखे गए हैं।

साथ मौके पर पहुंचे पुलिस ने ब्रेन की मदद से सड़क पर पलटे ट्रक को हटवाया और बिखरे कोयले को साफ कराया करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद दोपहर 3 बजे हाईवे पर यातायात बहाल हो सका।

गड्डे में भर पानी से बिगड़ संतुलन: हदसे में ट्रक चालक तेजराज केवट घायल हुआ चालक के अनुसार वह सुलिपरी कोल माईंस से कोयला लेकर सतना जा रहा था रास्ते में सामने से दूसरी गाड़ी आने पर उसे किनारे होना पड़ बारिश के कारण सड़क के गड्डे में पानी भरा था जिसका अंदाजा नहीं लग सका और ट्रक का संतुलन बिगड़कर पलट गया पुलिस ने यातायात सुचारू कराकर हादसे की जांच शुरू कर दी है।

बेटे के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज होने पर पूर्व सरपंच ने उठाए सवाल, निष्पक्ष जांच की मांग

मीडिया ऑडीटर, रीवा/ मऊगंज (निप्र)। ग्राम पंचायत खटखरी, जनपद पंचायत नईगढ़ी की पूर्व सरपंच निर्मला जायसवाल ने अपने इकलौते पुत्र आयुष जायसवाल के खिलाफ दर्ज हत्या के मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है उन्होंने पुलिस अधीक्षक मऊगंज और रीवा जौन के आईजी को आवेदन देकर मामले की जांच कर उनके पुत्र का नाम प्रकरण से हटाने की मांग की है। निर्मला जायसवाल ने जारी प्रेस विज्ञप्ति में आरोप लगाया कि 21 अगस्त को खटखरी गांव निवासी 25 वर्षीय आकाश जायसवाल की पूर्व विवाद के चलते सनी नारायण जायसवाल ने चाकू से हमला कर हत्या कर दी थी उनके अनुसार घटना की जानकारी ग्रामीणों से

हल्ला-गुहार सुनने के बाद मिली उन्होंने दावा किया कि घटना के समय उनका पुत्र आयुष मौके पर मौजूद नहीं था। निर्मला जायसवाल के मुताबिक आयुष 21 अगस्त को दोपहर करीब 12 बजे घर से बीएससी प्रथम वर्ष में प्रवेश लेने के लिए शासकीय केदारनाथ स्मृति महाविद्यालय, मऊगंज गया था उन्होंने बताया कि प्रवेश फॉर्म जमा करने के बाद आयुष करीब 1:30 बजे तक कॉलेज परिसर में मौजूद था उनकी ओर से दावा किया गया है कि कॉलेज में लगे शूज़ड्रू कैमरों की रिकॉर्डिंग में उसकी मौजूदगी स्पष्ट दिखाई देती है। उन्होंने यह भी बताया कि कॉलेज से निकलने के बाद आयुष मऊगंज बायपास स्थित शर्मा कैफे गया था वहां लगे CCTV कैमरों में भी

उसकी मौजूदगी रिकॉर्ड होने की बात कही गई है इसके बाद वह करीब 3 बजे घर वापस पहुंचा।

मोबाइल लोकेशन जांच की मांग: पूर्व सरपंच ने पुलिस से आयुष के मोबाइल फोन को लोकेशन और अन्य तकनीकी साक्ष्यों की भी जांच कराने की मांग की है उनके अनुसार घटना के दिन आयुष के पास मोबाइल फोन था जिसमें एयरटेल की सिम लगी थी उन्होंने कहा कि मोबाइल नंबर की लोकेशन और कॉल डिटेल की जांच से घटना के समय उसकी वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकती है निर्मला जायसवाल ने पुलिस प्रशासन से CCTV फुटेज, मोबाइल लोकेशन और अन्य उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है।

त्योंथर के बाढ़ प्रभावित इलाकों में पहुंचे देवेन्द्र सिंह, तत्काल राहत की मांग



मीडिया ऑडीटर, त्योंथर (निप्र)। लगातार हो रही बारिश के कारण त्योंथर विधानसभा क्षेत्र के कई इलाकों में बाढ़, जलभराव और मकानों को नुकसान पहुंचने की स्थिति बनी हुई है। रविवार को बसपा से विधानसभा प्रत्याशी रहे देवेन्द्र सिंह ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं और मौके पर हालात का जायजा लिया। देवेन्द्र सिंह ने त्योंथर नगर पंचायत, राजापुर, तुलसीपुरवा और मझिगावां ग्राम पंचायत के ककरहा टोला पहुंचकर प्रभावित परिवारों से मुलाकात की उन्होंने लोगों से बातचीत कर बारिश और जलभराव से उत्पन्न समस्याओं की जानकारी ली

ग्रामीणों ने बताया कि लगातार बारिश के कारण कई परिवारों के सामने मकान और घरेलू सामान की सुरक्षा का संकट खड़ा हो गया है आवागमन, भोजन और सुरक्षित रहने की व्यवस्था को लेकर भी लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। मझिगावां पंचायत के ककरहा टोला में बारिश के बाद करीब एक दर्जन मकानों के क्षतिग्रस्त अथवा ढहने की सूचना सामने आई मौके पर पहुंचे देवेन्द्र सिंह ने प्रभावित परिवारों से उनकी परेशानियां जानीं और प्रशासन से तत्काल राहत पहुंचाने की मांग की उन्होंने संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों से दूरभाष पर चर्चा कर प्रभावित परिवारों की स्थिति से अवगत कराया साथ ही मांग की कि राजस्व एवं प्रशासन की टीमों को प्रभावित क्षेत्रों में भेजकर नुकसान का तत्काल सर्वे कराया जाए क्षतिग्रस्त या पूरी तरह ढह चुके मकानों का प्रार्थमिकता के आधार पर पंचनामा तैयार कर नियमानुसार आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने की मांग की देवेन्द्र सिंह ने कहा कि जिन परिवारों के पास रहने के लिए सुरक्षित स्थान नहीं है, उनके लिए तत्काल अस्थायी आवास या सुरक्षित आश्रय की व्यवस्था की जाए।

सतना स्टेशन रोड पर ‘ओपन बार’ से लोग परेशान, शराबियों के जमावड़े से बढ़ी मारपीट की घटनाएं

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। शहर के स्टेशन रोड स्थित महामाया होटल के पास शराब दुकान के आसपास खुलेआम शराबखोरी की गतिविधियों से स्थानीय रहवासी और राहगीर परेशान हैं। लोगों का आरोप है कि शराब दुकान के आसपास ठेलों पर अवैध रूप से शराब पिलाने का सिलसिला चल रहा है। सुबह से ररे रात तक यहां लोगों का जमावड़ा रहता है जिसके चलते आए दिन विवाद और मारपीट की घटनाएं सामने आ रही हैं स्थानीय लोगों के मुताबिक शनिवार को भी एक व्यक्ति के साथ सरेराह मारपीट की घटना हुई घटना के बाद क्षेत्र के लोगों में नाराजगी है रहवासियों का कहना है कि शराबखोरी के कारण स्टेशन रोड जैसे व्यस्त इलाके में असुरक्षा का

माहौल बना हुआ है।

सुबह 4 बजे से खुलने लगते हैं ठेले: स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि शराब दुकान के आसपास कई ठेले संचालित होते हैं जहां खुलेआम लोगों को शराब पिलाई जाती है उनका दावा है कि कुछ ठेले सुबह करीब 4 बजे ही खुल जाते हैं इन स्थानों पर कथित तौर पर अवैध रूप से शराब बेचने और पिलाने का काम भी किया जाता है। इसका असर सुबह की सैर पर निकलने वाले लोगों और महिलाओं पर भी पड़ रहा है नागरिकों का कहना है कि सुबह के समय शराब के नशे में मौजूद लोगों के कारण उन्हें असहज स्थिति का सामना करना पड़ता है स्थानीय लोगों ने प्रशासन से क्षेत्र में नियमित निगरानी और अवैध गतिविधियों पर रोक लगाने की

मांग की है।

कार्रवाई के बाद भी नहीं बदले हालात: रहवासियों के अनुसार कुछ दिन पहले पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक ठेले से शराब जब्त की थी इसके बावजूद लोगों का कहना है कि आसपास शराब पिलाने का सिलसिला बंद नहीं हुआ और स्थिति पहले जैसी बनी हुई है स्थानीय नागरिकों ने आरोप लगाया कि प्रभावी कार्रवाई के अभाव में ठेले संचालकों और असामाजिक तत्वों में पुलिस का भय कम होता जा रहा है लोगों ने पुलिस और आबकारी विभाग से शराब दुकान के आसपास संचालित ठेलों की जांच करने, अवैध शराब की बिक्री व सार्वजनिक स्थानों पर शराबखोरी पर रोक लगाने तथा मारपीट की घटनाओं पर सख्त कार्रवाई की मांग की है।

सीधी जिला अस्पताल में दो दिवसीय निःशुल्क कैंसर जांच शिविर संपन्न, 83 संभावित मरीज चिन्हित 350 से अधिक मरीजों की हुई जांच, आयुष्मान भारत योजना के तहत पात्र मरीजों को मिलेगा निःशुल्क उपचार

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिला प्रशासन और शैली हॉस्पिटल जबलपुर के संयुक्त तत्वावधान में जिला चिकित्सालय सीधी में आयोजित दो दिवसीय निःशुल्क कैंसर जांच एवं जागरूकता शिविर रविवार को संपन्न हुआ। 22 और 23 अगस्त को आयोजित शिविर में 350 से अधिक मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया इनमें 189 मरीजों की विशेष कैंसर स्क्रीनिंग की गई, जिसमें 83 मरीजों को संभावित कैंसर के लक्षणों के आधार पर आगे की जांच के लिए चिन्हित किया गया

शिविर का उद्देश्य कैंसर के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाने के साथ बीमारी की प्रारंभिक अवस्था में पहचान करना और समय पर उपचार उपलब्ध कराना था शिविर के प्रथम दिवस का शुभारंभ विधायक सीधी रीती पाठक तथा दूसरे दिन का शुभारंभ जिला पंचायत अध्यक्ष मंजू सिंह ने किया।

विशेषज्ञ चिकित्सकों ने की स्क्रीनिंग: शिविर में ऑन्को सर्जन डॉ. प्रकांत जैन, कैंसर विशेषज्ञ डॉ. संजय जैन और डॉ. अंकित जैन ने मरीजों की स्क्रीनिंग और स्वास्थ्य जांच की विशेषज्ञ चिकित्सकों ने लोगों

को कैंसर के शुरुआती लक्षणों की पहचान, समय पर जांच कराने और उपचार शुरू करने के महत्व की जानकारी दी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अशोक कुमार खरे के निर्देश और जिला चिकित्सालय के सिविल सर्जन डॉ. एसबी खरे के मार्गदर्शन में शिविर का संचालन किया गया। डॉ. हिमेश पाठक, डॉ. आशीष विवेक भारती, डॉ. हरिओम सिंह और डॉ. सुनीता तिवारी ने भी शिविर की व्यवस्थाओं में सहयोग किया जिला प्रशासन की ओर से डिप्टी कलेक्टर स्वर्णा दीवान ने शिविर का निरीक्षण



कर व्यवस्थाओं और संचालन की निगरानी की पंचायत एवं सहयोग किया जिला प्रशासन की ओर से डिप्टी कलेक्टर स्वर्णा दीवान ने शिविर का निरीक्षण

शिविर में शामिल किया गया मरीजों और उनके परिवारों के लिए दीनदयाल रसोई में भोजन की व्यवस्था की गई।

हाल के दिनों में बाजारों में चीनी की कीमतों में अप्रत्याशित उछल देखा गया है। वहीं चीनी की कालाबाजारी की आशंका के मद्देनजर सरकार ने इसकी बिक्री का नियमन भी किया है। साथ ही सरकार ने बिना टैक्स दस लाख टन कच्ची चीनी के आयात की इजाजत देने का भी फैसला किया है। लेकिन सरकार का यह फैसला शायद ही बढ़ती कीमतों का जवाब हो। निस्संदेह, यह परिदृश्य सरकार के लिये उसकी महत्वाकांक्षी इथेनॉल नीति की असलियत को समझने का एक अवसर भी है। पूरे देश में इथेनॉल मिश्रित ई-20 पेट्रोल की बिक्री व्यवस्था लागू करने का जश्न मनाने के दो साल से भी कम समय में सरकार अब दो परस्पर विरोधी जरूरतों के बीच संतुलन बनाने की कोशिश कर

मिठास की खटास

रही है। पहला, देश की विदेशी मुद्रा बचाने के लिये कच्चे तेल के आयात को कम करना और दूसरा उपभोक्ताओं के लिये सस्ती चीनी उपलब्ध कराना। निस्संदेह, यह घटनाक्रम एक नीतिगत दुविधा को तो दर्शाता है कि जब एक ही फसल का इस्तेमाल खाद्य पदार्थ और ईंधन, दोनों के लिये किया जाता है, तो किसी एक लक्ष्य को दूसरे से अलग रखकर पूरा नहीं किया जा सकता है। निस्संदेह, ऐसे वक़्त में जब खाड़ी संकट के चलते पूरी दुनिया में पेट्रोलियम पदार्थों का संकट व्याप्त रहा, इथेनॉल

मिश्रित पेट्रोल ने देश के नागरिकों व सरकार को बड़ी राहत दी है। इसमें दो राय नहीं कि निर्धारित समय सीमा से पहले ही बीस फीसदी इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल का लक्ष्य

हासिल करके, भारत ने आयातित कच्चे तेल पर अपनी निर्भरता को कुछ कम जरूर किया है। वहीं दूसरी ओर सरकार की इस अभिनव पहल से जहां एक ओर चीनी मिलों को सहारा मिला है,वहीं गन्ना किसानों के लिये

कमाई का एक अतिरिक्त जरिया भी बना है। निश्चित रूप से उस देश के लिये यह एक उपलब्धि ही कही जा सकती है जो अपनी जरूरतों के लिये 85 फीसदी कच्चे तेल का आयात करता रहा है। वह भी अपने देश में उपलब्ध वैकल्पिक

संसाधनों के जरिये। इसके बावजूद राजा सरकार की इस रचनात्मक पहल को कुछ बुनियादी खामियां भी हमारे सामने उजागर हुई हैं। यह तथ्य

किसी से छिपा नहीं है कि गन्ना भारत में सबसे ज्यादा पानी की खपत करने वाली फसलों में से एक है। वहीं दूसरी ओर इथेनॉल के उत्पादन के लिये गन्ना का इस्तेमाल ऐसे समय में शुरू हुआ है जब देश के प्रमुख गन्ना उत्पादक राज्यों में शुमार महाराष्ट्र और कर्नाटक में पैदावार खराब मौसम और गन्ने की फसल पर लगी बीमारियों के चलते कमजोर रही है। यह भी एक वजह है कि गन्ना आपूर्ति में आई कमी के चलते भी हाल के दिनों में चीनी की कीमतों में तेजी देखी गई है। जिसके

चलते सरकार को चीनी का निर्यात रोकना पड़ा है। इतना ही नहीं, सरकार को आसन्न ल्योहारी मौसम को देखते हुए अब कच्ची चीनी के आयात को अनुमति देनी पड़ी है। निस्संदेह, इन परिस्थितियों के मद्देनजर यह नहीं कहा जा सकता कि देश में इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल का प्रयोग विफल हो गया है। बल्कि यह समझने की जरूरत है कि देश की कृषि संबंधी वास्तविकताओं और दुनिया की सबसे बड़ी आबादी की खाद्य जरूरतों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। आज जरूरत इस बात की है कि देश में एक लचीली जैव ईंधन रणनीति को ताकिक बनाया जाए। जिसे फसलों की स्थितियों और घरेलू खाद्य जरूरतों के अनुरूप ढाला जा सके।

धौलाधारके आंगन में बसंत उगाते हैं हंसराज भारती

निर्मल असो

कवि हंसराज भारती अपने प्रश्नों से मुखातिब, परिवेश से हासिल और अनुभवों के खातिर कविताओं के हुजूम के साथ चलते हुए साठ रचनाओं का एक नया संसार ‘इस तपती धूम में’ कई किनारों पर उठी धूप-उगी भूख को खू रहे हैं। कविताओं में जैसे कोई बसंत उग आया हो, नारंगी सायां में जैसे धूप की छाया हो। कविता की व्याख्या में हंसराज भारती आकाश, हवा, पौधों, मिट्टी, पानी की बूंदों, नदी के बहाव-झील के ठहराव, परंपराओं के आगोश, इनसानी फितरत के दोष को महसूस करते हैं, ‘रिमझिम बूंदों के साथ/एक दर्द सा रिसने लगता है/एक कविता भीमने लगती है/जो कुछ सूखा जा/नम-नम सा हो जाता है।’ ये पहाड़ की कविताएं हैं, जो बसंत में फूलों की महक, पंखियों की चहक और ऋतुओं के अक्स थामे आगे बढ़ जाती हैं। धौलाधार के कई आंगन, विरासत के कई महल, भविष्य के कई फलक और पेड़ों के झुरमुटे के नीचे होले-होले मुस्कान को अंगीकार करती बेचैनियां, लंबी सी नदी के पर्वतीय हिस्से, सुजन की ताकत, परिवेश से संतुलन बनाने की दिनचर्यां और महफूज पर्यावरण को निहारते सबब, ‘उन नदियों की कहानी/होना चाहूंगा जो एक/पतली सी धारा के रूप में/निकलती हैं पहाड़ के सीने से और फिर धीरे-धीरे/काटते-चोरेते हुए सारे तटबंध/अपना रास्ता और पहचान बनाती हैं।’ सदियों में सूखती नदी की आहट सरीखी हैं उनकी कलम, जो पेड़ों पर प्रहार करती कुल्हाड़ियों, आरियों और दरारों की धार से घायल होकर भी अपनी नोक पर जमाने से रूबरू है, ‘जहां भी गाड़ेंगे/वहीं पर जमा लूंगा जड़ें/फिर से कोपलें सजाऊंगा/फिर से हरा-भरा हो जाऊंगा, फैलूंगा-फूलूंगा/बसंत का साथ निभाऊंगा।’ कवि के मन में शिकायतों के ज्वारभाटे, ‘जिधर देखो, उधर/बेपनाह भीड़ है, शोर है/आदमी में से आदमी गुम है/दाएं हाथ को बाएं का पता नहीं/सुबह में शाम का मुग़लता है’, लेकिन आशावाद का साहस, संपन्नता, पवित्रता और मृत्युकांक्ष भी है, ‘उतर जाएंगी तब/धूप की सारी अकड़/सूखे की सूखी, सूनी चांदर/मन आंगन में जमीं धूल/बारिश जब बरसेगी/तो लोटेंगी/पिता की आंखों की/खोई चमक।’ समय के चक्र में और संवेदना के मरहम में कवि आत्मचिंतन की पहरेदारी में कई चट्टानों-कई दीवारों को लांच कर पछुते हैं, ‘बहुत कुछ ढहता है/आदमी में से आदमी की/गैर हाजिरी पर/बहुत कुछ बिखर बिखर जाता है, जोर, जुल्म की बह रही आंधी से/कितना कुछ रिसता है।’ स्रग्ध को हर कविता अपने मौलिक आचरण में शाश्वत उच्चावग कर रही है। कविता का सादपान, पहाड़ीपन, कहीं-कहीं बांकापन बनकर मर्मस्पर्शी बन जाता है, तो पने दर पने पर कुछ कविताएं बार-बार आमंत्रित करती हैं, हिस्से की छांव, बसंत अब..., दीप जलें, बदल गया है सब, शोहरत की बुलंदी, शब्द अंत तक लड़ेंगे, मेरी जड़ें, कई बार, मेमने, मुमकिन नहीं, हमें भी बताना, मेरे अंदर, मैं कविता लिखता हूँ, तुम्हें याद करना और हमारी नदी जैसी अनेक कविताएं पाटक के मन की जागीर बनती हैं और तब हर कविता एक घरीदा-एक पूरा परिवेश लगती है। भारती की कविताओं का व्याकरण अपने शब्दों की व्याख्या, परिवेश की समीक्षा, अनंत जिज्ञासा, अनुभव की पराकाष्ठा, हकीकत की मिट्टी और सपनों की अभिलाषा से जुड़ा है। वह पहाड़ के चरित्र में पर्यावरण देखते हैं, तो प्रदूषण को खदेड़ते हैं। वह समाज के तराने सुनते हैं, तो किसी फौजी बूट के पदचिन्हों में देश के प्रति तड़प का इजहार करते हैं। वह खोखले दर्पों के नीचे कुचलती मर्यादाओं की आह सुनते हैं, तो षड्यंत्रों की खामोश भाषा में विच्छिन्न का विष खोज लाते हैं, ‘इस तपती धूप में/देर व दूर तक चलते हुए मैं/लंबी अंधी सुरंगों तक/बनाऊंगा सूरज के पहुंचने का रास्ता/साथ चलूंगा उनके जो/अंधेरे से मुक्ति ये युद्ध/लड़ रहे हैं।’ हंसराज भारती की कलम अपने परिवेश की एक सौगंध में लाखों परिदृश्यों का साथ देती है। वह घंटियों सी विशालता और शिखर से ऊंचाई में भी कच्चे घड़े की मजबूती में माटी का रंग ऊकेरते हैं और पिंजरे तोड़ कर पगडंडियों पर पांव सहलाते हैं, ‘वो गुल्लि डंडे की पारियां/वो कंचों की जीती-हारी बाजियां/वो डुपे नालू, खड़ी कुआलियां।’

तनवीर जाफ़री

कंगना ने प्रदर्शनकारी युवाओं को गटर जनेरेशन कहकर संबोधित किया था। उन्होंने इंस्टाग्राम पर लिखा था कि जेन-जी के आंदोलनों के वीडियो देखकर मुझे झटका लगा। मैंने अपनी जिदिगी में इतना अजीब और इतना बुरा कुछ नहीं देखा है। इन्हें (युवा पीढ़ी को) किसने जन्म दिया है? कौन इनका पालन-पोषण कर रहा है? यह गटर की पीढ़ी है। कंगना ने प्रदर्शन के दौरान युवाओं द्वारा इस्तेमाल की जा रही भाषा को बेहद अस्मय और अमर्यादित बताया था। उन्होंने इसे उल्टी आने जैसा व्यवहार करार दिया था। प्रदर्शनकारी छात्राओं और युवतियों पर निशाना साधते हुए कंगना ने कहा था कि इन लड़कियों का आचरण बेहद निराशाजनक है। उन्होंने कहा कि यह लड़कियां भविष्य में अच्छी गृहिणी भी नहीं बन सकती। कंगना ने केवल छात्रों को ही नहीं बल्कि उनके माता-पिता को भी कटघरे में खड़ा किया। उन्होंने सवाल उठाया कि माता-पिता अपने बच्चों को ऐसे संस्कार कैसे दे सकते हैं,

जो उन्हें सार्वजनिक रूप से इस तरह के अभद्र व्यवहार की अनुमति देते हैं? कंगना रनौत के इस बयान की खासकर इसकी शब्दावली की चारों ओर घोर आलोचना की गयी। परन्तु सबसे तीखी प्रतिक्रिया योग गुरु एवं व्यवसायी बाबा रामदेव द्वारा एक टी वो चैनल पर इसी संबंध में पूछे गये एक सवाल पर दी गयी। जब बाबा रामदेव से कंगना के गटर जेनेरेशन वाले बयान पर सवाल पूछा गया, तो उन्होंने कंगना की मानसिक स्थिति, उनकी योग्यता और उनके अतीत पर ही गंभीर सवाल उठा दिये। रामदेव ने कहा कि उनकी क्वालिफिकेशन (शिक्षा)क्या है? उनका बचपन कैसा रहा है? उनकी जवानी कैसी रही है? उनके पहले के कारनामों कैसे रहे हैं? मैं ऐसे लोगों के बारे में बात नहीं करना चाहता। किसी भी देश के जवानों को और जेन-जी को गटर बोलना यह बिगड़े हुए दिमाग की निशानी है।यह गलत बात है और उनकी पार्टी (बीजेपी) को इस पर संज्ञान लेना चाहिए। हमेशा भाजपा सरकार की पैरवी करने वाले बाबा रामदेव के इस बयान को लेकर वैसे भी लोग

आश्चर्यचकित हैं कि आखिर उन्होंने किस तरह सत्ता के विरोध में आवाज़ उठाने की हिम्मत जुटाई? कुछ लोग तो उनके इस बयान की वजह से उन्हें राजनीति का मौसम विज्ञानी भी कहने लगे हैं। बहरहाल सवाल यह है कि रामदेव ने कंगना रनौत को लेकर इतने सारे सवाल एक साथ कैसे और किस आधार पर खड़े किये? और क्या वजह थी कि रामदेव के इन सवालों से तिलमिलकर कंगना को भी रामदेव पर तीखे जवाबी बाण छोड़ने पड़े? दरअसल कंगना रनौत ने स्वयं अपने अनेक इंटरव्यू में अपने शुरुआती जीवन, चरित्र, नशे और संघर्षों को लेकर बेहद चौकाने वाले और बेबाक बयान दिए थे। उनके ये बयान समय-समय पर सोशल मीडिया और मीडिया गलियारों में बड़े विवाद की वजह बने हैं। कंगना रनौत ने साल 2020 में अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो पोस्ट किया था। इस वीडियो में उन्होंने खुलकर स्वीकार किया था कि वह एक समय पर ड्रग्स की लत का शिकार हो चुकी थीं। उन्होंने कहा था कि जब मैं घर से भागी थी, उसके डेढ़-दो

साल के अंदर ही मैं एक फ़िल्म स्टार भी थी और एक ड्रग एडिक्ट भी थी। उन्होंने यह भी आरोप लगाया था कि शुरुआती दिनों में उनके एक मेंटॉर जो बाद में प्रताड़ित करने वाले बन गए, उनकी ड्रिक्स में नशीली चीजें मिलाकर देते थे ताकि वह पुलिस के पास न जा सके। बाद में एक इंटरव्यू में उन्होंने स्पष्ट किया कि वे योग और स्वामी विवेकानंद की शिक्षाओं की मदद से नशे की इस लत से बाहर आ पाईं। उसी 2020 के वीडियो में अपने संघर्ष के दिनों को याद करते हुए कंगना ने खुद को खतरनाक बताया था। उन्होंने कहा था कि जब वह कम उम्र में घर से भागकर मुंबई आई थीं, तो बहुत गलत लोगों के चंगुल में फंस गईं थीं। उन्होंने कहा था कि मेरी जिदिगी में इतने स्कैंडल चल रहे थे और मैं ऐसे लोगों के हाथों में पड़ गई थी, जहां से सिर्फ मौत ही मुझे बचा सकती थी। यह सब मेरी जिदिगी में तब हो रहा था जब मैं सिर्फ एक टीनेजर (किशोरी) थी। सोच लो, मैं कितनी खतरनाक हूँ। कंगना ने यह भी बताया था कि उनके पिता उन्हें डॉक्टर बनाना चाहते थे, लेकिन जब उन्होंने मना किया तो उनके पिता ने उन्हें

थपड़ मारा था, जिसके बाद उन्होंने घर छोड़ दिया। वह महज 15-16 साल की उम्र में बिना पैसें के घर से भागकर दिल्ली और फिर मुंबई आ गई थीं। वास्तव में कंगना की इस तरह की स्वीकारोक्ति को ही आधार बनाकर रामदेव ने उन्हें लेकर अनेक प्रश्न खड़े कर दिये। और प्रश्नों की उसी शब्दावली के अनुरूप ही कंगना ने भी रामदेव पर सीधा व्यक्तिगत प्रहार करते हुये कहा कि बाबा जी, मेरी जवानी या बेडरूम के बारे में आप दिन में सपने मत देखिए। कोई सिर्फ अफवाहों और गॉसिप के आधार पर ही ऐसा अंदाज़ लगा सकता है। कंगना ने पतंजलि के भ्रामक विज्ञापनों वाले मामले की ओर इशारा करते हुये कहा कि कम से कम मुझे कभी झूठ या फ़र्जी मेंडिकल दावों के लिए सुप्रीम कोर्ट से फटकार नहीं लगी है। मेरे दावे हमेशा ठोस तथ्यों पर आधारित होते हैं, न कि किसी अफवाह पर। कंगना ने बाबा रामदेव को करारा जवाब देते हुए कहा, इसलिए आप मुझे चरित्र का पाठ मत पढ़ाइए। मेरा चरित्र आपसे कहीं ज्यादा बेहतर है, यहां कोई धोखाधड़ी/फ़र्गंड

नहीं पकड़ी गई है। कंगना द्वारा रामदेव इस्तह के शब्द बाण भी अकारण नहीं छोड़े गये। इसके पीछे रामदेव और उनकी कंपनी पतंजलि आयुर्वेद के खिलाफ विभिन्न अदालतों विशेषकर सुप्रीम कोर्ट और सरकारी प्राधिकरणों द्वारा की गई कई गंभीर कानूनी और प्रशासनिक कार्रवाइयां शामिल हैं। कभी सुप्रीम कोर्ट ने पतंजलि आयुर्वेद को उन सभी दवाओं और उत्पादों के निज्ञापन और ब्रांडिंग करने से पूरी तरह रोक दिया, जो ड्रास एंड मैजिक रेमेडिज (आयुजिजन विज्ञापन) अधिनियम, 1954 के तहत प्रतिबंधित बीमारियों को पूरी तरह ठीक करने का दावा करते थे और बीजेपी में लिखित आश्वासन देने के बावजूद भ्रामक विज्ञापन जारी रखने पर कोर्ट ने उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी किया। कभी कोर्ट ने उन्हें व्यक्तिगत रूप से अदालत में हाजिर होने का आदेश दिया और उनकी कानूनी टीम को कड़ी फटकार लगाई। तो कभी उन्होंने अदालत में बिना शर्त माफी मांगी अदालत ने महज दिखावा कहकर खारिज कर दिया था।

लोकतंत्र और आंदोलन में अनुशासन की जरूरत

हृदयनारायण दीक्षित

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्वाधीनता दिवस के अवसर पर लाल किले से विघटनकारी शक्तियों से सावधान रहने की अपील की है। मोदी का भाषण बार-बार पठनीय है। उन्होंने नक्सली हिंसा की ओर देश का ध्यान आकर्षित किया है। बताया है कि देश की धरती पर सक्रिय भारत विरोधी नक्सलियों का हमने सफाया कर दिया है। सब जानते हैं कि नक्सलपंथ संविधान, परम्परा, संस्कृति और कानून को नहीं मानते। उनका विचार हिंसा और सिर्फ हिंसा है। उनसे लड़ते हुए सुरक्षा बलों के हजारों नौजवान मारे गए हैं। वे राष्ट्रोत्सक हिंसावादी विचारधारा की मजबूती के लिए छत्र नाके संगठन चलाते हैं। संविधान में उनकी आस्था नहीं है। देश को तोड़ने के लिए वे किसी भी सीमा तक जा सकते हैं। वे स्वयं को विद्वान कहते हैं। उनकी दृष्टि में शेष भारतीय संप्रदायिक और संस्कृतिवहीन है। नक्सली विचारधारा मार्क्सवाद का विस्तार है। इस विचारधारा में हिंसा और हत्या जैसे कृत्य निंदनीय नहीं हैं। लेकिन ने लिखा था, ‘उत्पीड़ित वर्गों द्वारा उपीड़न के खिलाफ, भूदासों द्वारा भूस्वामियों पर चलाए जाने वाले अभियान को पूर्णतः प्रगतिशील मानते हैं।’ प्रगति प्रकाशन, मास्को द्वारा प्रकाशित पुस्तक में सबकुछ जायज माना गया है। इस विचारधारा से पैदा संगठनों का काम सुव्यवस्थित रूप में चलता है। पै-लिख संकेत वाले लोग शिक्षण संस्थाओं पर कब्जा करते हैं। ये यंत्र-तंत्र सर्वत्र हिंसक

गतिविधियों का मनमना विरलेषण करते हैं। उन्हें समर्थन देते हैं। इनकी तुलना स्पेन के गृहयुद्ध (1938) में प्रचलित फिफ्थ कॉलमिस्ट (पांचवां स्तंभ) से की जा सकती है। फ्रेंको के जनरल ने कहा था, ‘हमारे चार दस्ते मैड्रिड पर हमलावर हैं। पांचवां कॉलम पहले से ही शहर के भीतर मौजूद और



सक्रिय है।’ तभी एक विशेष प्रकार की पत्रकारिता को पांचवां स्तंभ कहा गया। भारत में पांचवें स्तंभकार (फिफ्थ कॉलमिस्ट) सक्रिय हैं। वे हिंसक गतिविधियों का औचित्य सिद्ध करने में लगे रहते हैं। जंतर मंतर की अराजकता वाले अंश का समर्थन करने वाले कथित बुद्धिजीवियों के लेख और विरलेषण ऐसे ही थे। नक्सलपंथी अपने मिशन में सक्रिय हैं। आर्एसआई जैसी संस्थाओं से उनके रिश्ते हैं। कम्युनिस्ट विचारधारा के अनुसार संसदीय राजनीति में गरीबों मजदूरों और सर्वहारा वर्ग का कोई हितसाधन संभव नहीं है।

जनसंग्राम और जनयुद्ध में ही सर्वहारा वर्ग का हित है। मार्कस ऐंगल्स ने कम्युनिस्ट घोषणापत्र में सर्वहारा की लड़ाई का तत्व बताया था। इस लड़ाई में, ‘सर्वहारा वर्ग केवल अपने को ही पुनर्जीवित नहीं करता। वह अपने साथ पूरी कोम और पूरे समाज को भी पुनर्जीवित करता है। प्रधानमंत्री ने ऐसी

भारतीय श्रद्धा वाले महापुरुषों और प्रतीकों का अपमान करते रहे हैं। श्रीराम और श्रीकृष्ण को कल्पना बताते रहे हैं। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के परिसर में भारत विरोधी नारेबाजी के तार ‘भारत तेरे टुकड़े होंगे’ तक विस्तृत है। वे संवैधानिक संस्थाएं नहीं मानते। वे न्यायपालिका का आदर नहीं करते। कार्ल मार्क्स, लेनिन और माओत्सेतुंग इनके देवता हैं। इसी विचार के लोगों ने महात्मा गांधी तक को गालियां दी थीं। हिंसा ही उनकी दृष्टि में सारी समस्याओं का समाधान है। वे कथित रूप में सर्वहारा की तानाशाही लाना चाहते हैं। भिन्न-भिन्न नामों से काम करते हैं और हिंसा का प्रचार करते हैं। नक्सलपंथ भी इसी नाम बदलने की शैली से विकसित हुआ है। पश्चिम बंगाल के गांव नक्सलबाड़ी में दो वर्गों में संघर्ष हुआ। इन्हीं लोगों ने एक गुट को संरक्षण दिया। इस काण्ड में तमाम हत्याएं हुई थीं। इन लोगों ने नक्सलबाड़ी गांव में हुए इस संघर्ष का नाम नक्सलपंथ रखा। नक्सलपंथ माओ से प्रेरित है। हिंसा और हत्या, लूटपाट और डकैती इनके सामान्य हथियार हैं। विश्वविद्यालय इस विचारधारा के प्रचार के लिए सरल और सुगम मार्ग प्रतीत होते हैं। दिल्ली के विश्वविद्यालय जब तब दिमागी नक्सली विचारधारा के प्रचार का अड्डा बन जाते हैं। जंतर-मंतर पर हुए प्रदर्शन ने देश का ध्यान आकर्षित किया। इस प्रदर्शन में शामिल होने वाले छात्रों की मांग सुनिश्चार्पण परीक्षा से जुड़ी हुई थी। लेकिन अस्थित नौजवानों का एक वर्ग संसद, प्रधानमंत्री और न्यायपालिका पर भी टिप्पणियां कर रहा था। आन्दोलन लोकतांत्रिक अधिकार हैं।

तिब्बत: जब पहचान पर सत्ता भारी पड़ने लगे

तिब्बत का सवाल केवल भाषा, धर्म और राजनीति तक सीमित नहीं है। उसका पर्यावरणीय पक्ष भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। तिब्बती पठार एशिया की अनेक प्रमुख नदियों का उद्गम क्षेत्र है। पहाड़

बांध, खनन और बड़े बुनियादी ढांचे की परियोजनाओं का असर तिब्बत से बाहर तक जा सकता है। भारत सहित कई देशों की जल और पर्यावरण सुरक्षा हिमालयी पारिस्थितिकी से जुड़ी है।

भारत के लिए तिब्बत इसलिए केवल दूर का भू-राजनीतिक मुद्दा नहीं है। सीमा सुरक्षा, जल संसाधन, हिमालयी पर्यावरण और सदियों पुराने सांस्कृतिक संबंध इसे सीधे भारतीय हितों से जोड़ते हैं।

कुमार कृष्णन

किसी समाज की पहचान केवल उसकी सीमाओं से नहीं बनती। भाषा, संस्कृति, धर्म, परंपरा और सामूहिक स्मृतियां भी उसके अस्तित्व का आधार होती हैं। इसलिए जब राजनीतिक सत्ता और सांस्कृतिक पहचान के बीच टकराव बढ़ता है, तो विवाद केवल भूगोल का नहीं रह जाता। वह मनुष्य के अधिकार, सम्मान और अस्तित्व का प्रश्न बन जाता है। तिब्बत आज इसी सवाल के बीच खड़ा है। 20 अगस्त 2026 को धर्मशाला में काशाग और निर्वासित तिब्बती संसद ने लोबग राडचेन की मृत्यु के 49वें दिन प्रार्थना सभा और शांति पदयात्रा आयोजित की। राडचेन ने 2 जुलाई को न्यूयॉर्क स्थित संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय के सामने आत्मदाह किया था। कार्यक्रम में सिक्योग पेनपा सेरिंग ने काशाग का वक्तव्य प्रस्तुत किया। पदयात्रा में चीन की तिब्बत नीति और 1 जुलाई से लागू हुए ‘जातीय एकता और प्रगति कानून’ के खिलाफ शांतिपूर्ण विरोध दर्ज कराया गया।

पेनपा सेरिंग ने राडचेन की मृत्यु को तिब्बती प्रश्न की गंभीरता से जोड़ते हुए तिब्बतियों की भाषा, संस्कृति, धर्म और पहचान पर बढ़ते दबाव की चिंता व्यक्त की। लेकिन इस पूरे प्रसंग का सबसे संवेदनशील पक्ष आत्मदाह है। किसी राजनीतिक उद्देश्य के लिए जीवन समाप्त करना समाधान नहीं हो सकता। यह पहले एक मानवीय जासदी है। सवाल यह है कि कोई व्यक्ति ऐसी निराशा की स्थिति में क्यों पहुंचता है, जहां उसे

अपनी आवाज सुनाने के लिए अपने जीवन की कीमत चुकानी पड़ती है। वहीं तिब्बत का मूल प्रश्न सामने आता है—क्या राष्ट्रीय एकता के लिए सांस्कृतिक एकरूपता जरूरी है? चीन नए कानून को राष्ट्रीय एकता, सामाजिक स्थिरता और विभिन्न जातीय समुदायों के बीच सहयोग की व्यवस्था के



रूप में देखाता है। तिब्बती नेतृत्व की चिंता इसके विपरीत है। उसका कहना है कि इससे तिब्बत की भाषा, संस्कृति, धर्म और सामाजिक जीवन पर सरकारी नियंत्रण बढ़ सकता है। इस मतभेद को भावनाओं के बजाय तथ्य और स्वतंत्र जांच के आधार पर समझना जरूरी है।

राष्ट्रीय एकता और सांस्कृतिक एकरूपता एक नहीं हैं। दुनिया के अनेक देशों में अलग-अलग

भाषाओं और संस्कृतियों वाले समुदाय अपनी विशिष्ट पहचान बनाए रखते हुए एक राष्ट्र का हिस्सा हैं। मजबूत राष्ट्र वह नहीं जो अपनी विविधता मिटा दे, बल्कि वह है जो विविधता के भीतर एकता कायम करे। तिब्बती नेतृत्व का दावा है कि बड़ी संख्या में तिब्बती बच्चे आवासीय विद्यालयों में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं, जहां उनकी मातृभाषा और सांस्कृतिक वातावरण से दूरी बढ़ रही है। शिक्षा में चीनी भाषा को बढ़ती प्राथमिकता मिलने को लेकर भी चिंता जताई गई है। इन दावों की स्वतंत्र पुष्टि आवश्यक है। लेकिन भाषा के महत्व को समझने के लिए किसी राजनीतिक पक्ष की पुष्टि की जरूरत नहीं। भाषा केवल संवाद का माध्यम नहीं होती। उसमें किसी समाज का इतिहास,

साहित्य, लोकस्मृति और जीवन-दर्शन सुरक्षित रहता है। किसी समुदाय की मातृभाषा यदि शिक्षा और सार्वजनिक जीवन में लगातार कमजोर होती है, तो उसके साथ सांस्कृतिक स्मृति भी कमजोर पड़ सकती है। तिब्बती बौद्ध धर्म का प्रश्न भी इसी से जुड़ा है। तिब्बत में धर्म निजी आस्था से आगे बढ़कर सामाजिक और सांस्कृतिक जीवन का आधार है। मठ, धार्मिक शिक्षा और आध्यात्मिक परंपराएं तिब्बती पहचान से जुड़ी हैं। तिब्बती नेतृत्व में सरकारी हस्तक्षेप का आरोप लगाता रहा है। धार्मिक स्वतंत्रता का अर्थ केवल पूजा करने की अनुमति नहीं है। इसमें धार्मिक संस्थाओं, परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत को सुरक्षित रखने की स्वतंत्रता भी शामिल है। इसलिए तिब्बत में धार्मिक स्वतंत्रता का मृत्योंकन केवल धार्मिक स्थलों की मौजूदगी से नहीं, बल्कि धार्मिक संस्थाओं की स्वतंत्रता और सांस्कृतिक निरंतरता से भी होना चाहिए।

हालांकि इस विषय में सावधानी जरूरी है। तिब्बती निर्वासन प्रशासन के आरोपों को अंतिम सत्य मानना उचित नहीं होगा, जैसे चीनी सरकार के दावों को बिना जांच स्वीकार करना भी उचित नहीं है। तिब्बत जैसे संवेदनशील प्रश्न में स्वतंत्र तथ्य-जांच सबसे महत्वपूर्ण है। यही बात तिब्बत समर्थक भारतीय संगठनों से जुड़े सुरेन्द्र कुमार के विचारों में भी दिखाई देती है। वे भारत और तिब्बत के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और धार्मिक संबंधों को रेखांकित करते हुए तिब्बत के प्रश्न को भारत

की सुरक्षा से अलग करके देखने के पक्ष में नहीं हैं। उनका जोर इस बात पर रहा है कि भारत में तिब्बत के बारे में जन-जागरूकता बढ़नी चाहिए और तिब्बत के प्रश्न को केवल विदेश नीति का विषय मानने के बजाय भारत के दीर्घकालिक हितों से जोड़कर समझना चाहिए। सुरेन्द्र कुमार ने भारत और तिब्बत के पुराने संबंधों की ओर ध्यान दिलाते हुए यह भी कहा है कि दोनों के बीच कभी एक सुरक्षित और मैत्रीपूर्ण सीमा थी, जहां आवगमन के लिए आज जैसी औपचारिक बाधाएं नहीं थीं। उनके विचार में तिब्बत का सवाल भारत की सांस्कृतिक विरासत, हिमालयी क्षेत्र और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा हुआ है। इस दृष्टिकोण को केवल राजनीतिक समर्थन के रूप में नहीं, बल्कि भारत की रणनीतिक चिंता के संदर्भ में देखना चाहिए। तिब्बत में होने वाले राजनीतिक और पर्यावरणीय बदलावों का असर हिमालय और भारत की सीमाओं तक पहुंच सकता है।भारत ने लंबे समय से दलाई लामा और तिब्बती शरणार्थियों को मानवीय आधार पर आश्रय दिया है। बौद्ध धर्म ने भारत और तिब्बत के बीच गहरे सभ्यतागत संबंध बनाए हैं। लेकिन चीन के साथ भारत के संबंधों की अपनी जटिलताएं हैं। इसलिए भारत की नीति में मानवीय संवेदना और कूटनीतिक विवेक दोनों जरूरी हैं। भारत तिब्बतियों के भाषाई, सांस्कृतिक और धार्मिक अधिकारों का समर्थन कर सकता है, लेकिन हर पक्ष को चीन के साथ टकराव में बदलना जरूरी नहीं।

नए विषयों और नई उम्मीदों के साथ विवेकानंद महाविद्यालय में दीक्षारंभ कार्यक्रम हुआ संपन्न

मनेंद्रगढ़ महाविद्यालय को प्रदेश के उत्कृष्ट संस्थानों में विकसित करेंगे: स्वास्थ्य मंत्री

मीडिया ऑडिटर, एमसीबी (निप्र)। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP-2020) के अंतर्गत सत्र 2026-27 में शासकीय विवेकानंद स्नातकोत्तर महाविद्यालय मनेंद्रगढ़ में नवप्रवेशित छात्र-छात्राओं के लिए दीक्षारंभ कार्यक्रम का आयोजन उत्साहपूर्ण वातावरण में किया गया कार्यक्रम में मुख्य अतिथि स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल की गरिमामयी उपस्थिति रही इस अवसर पर कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी संतन देवी जांगड़े, नगर पालिका परिषद मनेंद्रगढ़ अध्यक्ष प्रतिमा यादव, उपाध्यक्ष धर्मेष्ट पटवा, जिला अध्यक्ष एवं पूर्व संसदीय सचिव चंपादेवी पावले जनभागीदारी समिति अध्यक्ष वीरेंद्र सिंह राणा सहित जनप्रतिनिधि प्राध्यापक एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे कार्यक्रम का शुभारंभ छत्तीसगढ़ महतारी के छायाचित्र पर दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। छात्राओं द्वारा राष्ट्रीय गीत की प्रस्तुति दी गई। महाविद्यालय की प्राचार्य प्रो. श्रावनी



चक्रवर्ती ने अतिथियों एवं नवप्रवेशित विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए बताया कि NEP-2020 के अंतर्गत इस सत्र से महाविद्यालय में हिन्दी साहित्य, इतिहास एवं प्राणीशास्त्र जैसे तीन नए विषय प्रारंभ हुए हैं। पूर्व से संचालित चार विषयों को मिलाकर अब कुल सात विषयों में अध्ययन की सुविधा उपलब्ध है उन्होंने इसे महाविद्यालय के शैक्षणिक विस्तार की महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया प्राचार्य ने महाविद्यालय में बाउंड्रीवाल, नवीन कक्ष, स्टेज, ऑडिटरियम सहित

आवश्यक अधोसंरचना की जरूरतों से अतिथियों को अवगत कराया और विकास कार्यों के लिए सहयोग का आग्रह किया नई शिक्षा नीति विद्यार्थियों को अवसरों से जोड़ने का माध्यम: कलेक्टर कलेक्टर संतन देवी जांगड़े ने नवप्रवेशित विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि महाविद्यालय केवल डिग्री प्राप्त करने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह व्यक्तित्व, सोच और भविष्य को दिशा देने का महत्वपूर्ण समय है NEP -2020 शिक्षा को विद्यार्थी-केंद्रित कौशल आधारित,



व्यावहारिक एवं रोजगारोन्मुखी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है उन्होंने विद्यार्थियों से नई तकनीक, कौशल, नवाचार और रचनात्मकता से जुड़े हुए अनुशासन एवं सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया उन्होंने कहा कि महाविद्यालय की अधोसंरचना संबंधी आवश्यकताओं पर प्राथमिकता से पहल एवं समन्वय किया जाएगा ताकि विद्यार्थियों को सुरक्षित एवं बेहतर अध्ययन वातावरण मिल सके महाविद्यालय को प्रदेश के उत्कृष्ट संस्थानों में

विकसित करेंगे : स्वास्थ्य मंत्री मुख्य अतिथि स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने नवप्रवेशित छात्र-छात्राओं को नए शैक्षणिक सत्र की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि शासकीय विवेकानंद स्नातकोत्तर महाविद्यालय मनेंद्रगढ़ निरंतर प्रगति कर रहा है विद्यार्थियों की संख्या और शिक्षा की गुणवत्ता में वृद्धि हो रही है हमारा प्रयास है कि इस महाविद्यालय को प्रदेश के उत्कृष्ट शासकीय महाविद्यालयों की श्रेणी में विकसित किया जाए। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में शिक्षा के

साथ व्यावसायिक एवं कौशल आधारित शिक्षा भी आवश्यक है इसी दिशा में मनेंद्रगढ़ में हॉर्टिकल्चर एवं पॉलिटैक्निक कॉलेज, मनेंद्रगढ़ में फिजियोथेरेपी, झगराखांड में नर्सिंग तथा खड़गवा में कृषि कॉलेज जैसी सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि पिछले ढाई वर्षों में महाविद्यालय के विकास के लिए लगभग 1 करोड़ 15 लाख रुपये के कार्य कराए गए हैं उन्होंने महाविद्यालय की बाउंड्रीवाल अंधूरे स्टेज की छत तथा महिला एवं पुरुष प्रसाधन कक्ष के निर्माण की घोषणा की ऑडिटरियम के लिए भी आवश्यक पहल किए जाने की बात कही गुरु ही सही मार्ग दिखाते हैं विद्यार्थियों को गुरु के महत्व से अवगत करते हुए स्वास्थ्य मंत्री ने कबीरदास के प्रसिद्ध दोहे गुरु गोविंद दोऊ खड़े, काके लागू पाय। बलिहारी गुरु आपने गोविंद दियो बताया का उल्लेख किया।



मीडिया ऑडिटर, नर्मदापुरम (निप्र)। तवानगर क्षेत्र के जंगल में सांभर के शिकार का मामला सामने आया है सोहागपुर सामान्य वन विभाग और सतपुड़ा टाइगर रिजर्व की संयुक्त टीम ने रविवार को बागड़ु तवा के नया रोरीघाट में कार्रवाई करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया वन विभाग के अनुसार आरोपी एक घर में सांभर का मांस पका रहे थे और पार्टी की तैयारी कर रहे थे इसी दौरान टीम ने मौके पर पहुंचकर कार्रवाई की DFO गौरव शर्मा के अनुसार वन विभाग को मुखबिर से सूचना मिली थी कि नया रोरीघाट में सांभर का शिकार करने के बाद उसका मांस पकाया जा रहा है सूचना मिलने के बाद रेजर हेमंत शर्मा के नेतृत्व में टीम को मौके पर भेजा गया वन विभाग की टीम ने नया रोरीघाट में सियागम के घर पर छापा मारा। यहां सांभर का मांस पकता हुआ मिला। पूछताछ में आरोपियों के पार्टी की तैयारी करने की बात सामने आई हालांकि पार्टी

शुरू होने से पहले ही वन अमले ने चारों को पकड़ लिया वन विभाग के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों में सियागम पिता शिवलाल, सुखलाल पिता कुंजीलाल, नेपाल पिता करन सिंह और तलुन पिता मोहनलाल शामिल हैं चारों विस्थापित ग्राम रोरीघाट के निवासी बताए गए हैं चारों आरोपियों के खिलाफ वन्यप्राणी संरक्षण अधिनियम, 1972 की धारा 9, 39, 50 और 51 के तहत कार्रवाई की गई है। इसके अलावा BNSS 2023 की सुसंगत धाराओं में भी कार्रवाई की गई DFO ने बताया कि पूछताछ के दौरान आरोपी शिकार की जगह को लेकर अलग-अलग जानकारी दे रहे हैं कभी तवानगर के जंगल और कभी किसी अन्य स्थान से सांभर का शिकार करने की बात कही जा रही है वन विभाग अब शिकार की वास्तविक जगह, घटना में इस्तेमाल संसाधनों और संभावित अन्य लोगों की भूमिका की जांच कर रहा है मामले में विवेचना जारी है।

मीट मार्केट में बिजली पोल गिरा बारिश के बीच बड़ा हादसा टला मकानों के पास झूल रहे थे तार



मीडिया ऑडिटर, शिवपुरी (निप्र)। शिवपुरी शहर के फिजिकल थाना क्षेत्र स्थित मीट मार्केट में रविवार दोपहर भारी बारिश के बीच अचानक एक बिजली का पोल सड़क पर गिर गया गनीमत रही कि हादसे के वक्त बिजली गुल थी जिससे एक बड़ा करंट हादसा टल गया पोल गिरने से विद्युत तार सड़क और आसपास के मकानों के पास झूलने लगे, जिससे कुछ समय के लिए लोगों में दहशत फैल गई यह घटना रविवार दोपहर करीब 2:30 बजे हुई। जानकारी के अनुसार, बारिश के कारण उस

समय क्षेत्र में आवाजाही कम थी साथ ही बिजली आपूर्ति बंद होने के कारण तारों में करंट नहीं था इन दोनों कारणों से राहगीरों और आसपास मौजूद लोगों की जान बच गई पोल गिरने के बाद बिजली के तार सड़क पर फैल गए और आसपास के घरों के नजदीक झूलते रहे स्थानीय लोगों ने इस स्थिति पर सुरक्षा को लेकर चिंता व्यक्त की उनका कहना था कि यदि बिजली आपूर्ति चालू होती और पोल गिरने के समय सड़क पर भीड़ होती, तो एक गंभीर हादसा हो सकता था।

छात्रावासों में रहने वाले विद्यार्थियों की जानकारी अब ऑनलाइन, हर माह दर्ज होगी उपस्थिति

मीडिया ऑडिटर, एमसीबी (निप्र)। छत्तीसगढ़ शासन के आदिम जाति विकास, अनुसूचित जाति विकास, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक विकास विभाग द्वारा संचालित आश्रम-छात्रावासों की व्यवस्था में पारदर्शिता और बेहतर निगरानी की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई है जिले के विभिन्न आश्रम-छात्रावासों में निवासरत छात्र-छात्राओं का पंजीयन विभाग द्वारा संचालित छात्रावास-आश्रम प्रबंधन प्रणाली पोर्टल पर किया गया है पारदर्शिता बढ़ाने के उद्देश्य से पोर्टल में पंजीकृत सभी छात्र-छात्राओं की जानकारी अब पोर्टल के होम पेज पर प्रदर्शित की जाएगी। इससे छात्रावासों में निवासरत विद्यार्थियों की जानकारी आमजन के लिए भी आसानी से उपलब्ध हो सकेगी विद्यार्थियों की जानकारी देखने के लिए hmstribal.cg.nic.in पोर्टल पर जाकर ‘विद्यार्थी

उपस्थिति रिपोर्ट’ मेनू पर क्लिक किया जा सकता है पोर्टल पर जिले की शासकीय अशासकीय, अनुदान प्राप्त एवं विशिष्ट संस्थाओं सहित विभिन्न संस्थाओं में प्रवेशित छात्र-छात्राओं की जानकारी उपलब्ध रहेगी साथ ही प्रत्येक माह की उपस्थिति भी अगले माह की 10 तारीख तक पोर्टल पर प्रदर्शित की जाएगी इसके अलावा पोर्टल पर शासन की महत्वाकांक्षी मुख्यमंत्री अनुसूचित जाति तथा जनजाति विद्यार्थी उत्कर्ष योजना (पूर्व में जवाहर उत्कर्ष योजना) के अंतर्गत लाभान्वित छात्र-छात्राओं की जानकारी भी नया क्या है टैब के माध्यम से प्राप्त की जा सकती है यह व्यवस्था छात्रावासों में विद्यार्थियों की उपस्थिति एवं संस्थागत जानकारी को ऑनलाइन उपलब्ध कराने के साथ-साथ पारदर्शिता, जवाबदेही और बेहतर निगरानी को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

रक्षाबंधन से पहले शिवपुरी की बेटियों ने निभाया फर्ज, सैनिकों के लिए भेजीं राखियां



मीडिया ऑडिटर, शिवपुरी (निप्र)। रक्षाबंधन के पर्व से पहले शिवपुरी जिले के बदरवास कस्बे की बेटियों ने देश की सीमाओं पर तैनात सैनिकों के प्रति सम्मान और कुतर्जता जताते हुए अनूठी पहल की है। शासकीय कन्या हायर सेकंडरी स्कूल की छात्राओं ने अपने हाथों से राखियां और रक्षासूत्र तैयार किए हैं। विद्यालय प्रबंधन ने इन राखियों को भारतीय सेना मुख्यालय भेज दिया है जहां से इन्हें सीमा पर तैनात जवानों तक पहुंचाया जाएगा शिक्षक की प्रेरणा से

शुरू हुई पहल यह पहल विद्यालय के शिक्षक गोविंद अवस्थी की प्रेरणा से शुरू हुई। उन्होंने छात्राओं को बताया कि देश की रक्षा करने वाले जवान त्योहारों के अवसर पर भी अपने परिवार और बहनों से दूर रहकर कर्तव्य निभाते हैं ऐसे में उनके लिए राखी भेजना सैनिकों के प्रति सम्मान स्नेह और कुतर्जता व्यक्त करने का माध्यम हो सकता है शिक्षक की बात से प्रेरित होकर छात्राओं ने उत्साह के साथ अलग-अलग डिजाइन की राखियां और रक्षासूत्र तैयार किए। छात्राओं ने इन्हें पूरी श्रद्धा

और लगन से बनाया और सेना तक पहुंचाने के लिए विद्यालय प्रबंधन को सौंप दिया छात्राओं ने कहा- जवान भी हमारे भाई छात्राओं ने कहा कि रक्षाबंधन केवल परिवार तक सीमित रहने वाला त्योहार नहीं है देश की सीमाओं की सुरक्षा में तैनात जवान भी देश की बेटियों के भाई हैं उनके लिए भेजी गई प्रत्येक राखी में बहनों का स्नेह, सम्मान और देशभक्ति की

भावना जुड़ी है छात्राओं ने उम्मीद जताई कि जब ये राखियां सैनिकों तक पहुंचेंगी तो उन्हें अपने घर और बहनों की याद आएगी इस पहल के जरिए छात्राओं ने संदेश दिया कि देश की रक्षा में जुटे जवान भले ही अपने परिवार से दूर हों, लेकिन देश की बेटियां उनके साथ खड़ी हैं विद्यालय की इस पहल की स्थानीय स्तर पर भी सराहना की जा रही है।



कबाड़ी की दुकान पर 350 पुराने, 5 नए मीटर मिले: विद्युत विभाग ने की शिकायत, गुरुग्राम की प्राइवेट कंपनी पर FIR

मीडिया ऑडिटर, शिवपुरी (निप्र)। शिवपुरी के पोहरी में पुराने सरकारी बिजली मीटर कबाड़ी की दुकान पर मिलने का मामला सामने आया है शहर के गुना नाका औद्योगिक क्षेत्र की एक कबाड़ दुकान से करीब 350 पुराने बिजली मीटर और 5 नए स्मार्ट मीटर मिले हैं विद्युत विभाग की शिकायत पर पुलिस ने मैसर्स अल्फनार पावर प्राइवेट लिमिटेड, गुरुग्राम के खिलाफ केस दर्ज किया है पोहरी क्षेत्र में स्मार्ट मीटर लगाने का काम अल्फनार पावर प्राइवेट लिमिटेड को दिया गया था। विभाग के अनुसार, कंपनी को पुराने सरकारी मीटर निकालने के बाद उन्हें पोहरी वितरण केंद्र में जमा करना था विद्युत विभाग के कनिष्ठ यंत्री उपेंद्र कुमार ने



पुलिस को शिकायत दी है कबाड़ दुकान पर मिले थे मीटर 19 अगस्त को विद्युत कर्मचारी रविकांत बोहरे से पुराने मीटरों की जानकारी मिली इसके बाद वेस्ट जोन के प्रबंधक रविंद्र सिंह जैन गुना नाका औद्योगिक क्षेत्र स्थित महेंद्र खटीक की कबाड़ दुकान पर पहुंचे वहां बड़ी संख्या में पुराने बिजली मीटर रखे मिले। मीटरों पर लगी पंचियों से उनके पोहरी वितरण केंद्र से जुड़े होने

की जानकारी मिली इसके बाद उपसभाग शिवपुरी ग्रामीण के प्रबंधक आशुतोष कुमार सिंह ने भी मौके पर जांच की जांच में करीब 350 पुराने सरकारी मीटर और 5 नए स्मार्ट मीटर मिले विभाग ने कंपनी पर लगाया आरोप विद्युत विभाग का आरोप है कि पुराने मीटर पोहरी वितरण केंद्र में जमा कराने के बजाय कबाड़ की दुकान तक पहुंचाए गए विभाग ने इसे सरकारी सामान के गलत इस्तेमाल का मामला बताया है विभाग ने कंपनी के खिलाफ कार्रवाई के लिए पुलिस को आवेदन दिया। इसके साथ कंपनी को दिए गए काम के आदेश की सत्यापित प्रति और मिले मीटरों की तस्वीरें भी दी गई पुलिस ने आवेदन के आधार पर केस दर्ज किया है।

सागर पुलिस एवं एसडीआरएफ ने गदेरी नदी में फंसे 9 लोगों को घने जंगल और दुर्गम रास्ते से लगभग 4 किलोमीटर पैदल पहुंची पुलिस टीम तेज बहाव के बीच एसडीआरएफ ने संभाला मोर्चा

मीडिया ऑडिटर, भोपाल (निप्र)। सागर जिले के आबचंद गुफा क्षेत्र में गदेरी नदी के तेज बहाव एवं चारों ओर से पानी से घिरे 9 लोगों को सागर पुलिस, एसडीआरएफ एवं होमगार्ड की संयुक्त टीम ने अदम्य साहस, त्वरित निर्णय क्षमता और उत्कृष्ट समन्वय का परिचय देते हुए सुरक्षित रेस्क्यू कर लिया चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में किए गए इस साहसिक रेस्क्यू ऑपरेशन में पुलिस टीम ने घने जंगल एवं दुर्गम रास्ते से लगभग 4 किलोमीटर पैदल पहुंचकर रेस्क्यू स्थल तक पहुंच बनाई, वहीं एसडीआरएफ जवानों ने तेज बहाव के बीच नदी में उत्तकर सभी को सुरक्षित बाहर निकाला 22 अगस्त को डायल-112 एवं पुलिस कंट्रोल रूम के माध्यम से सूचना प्राप्त हुई कि आबचंद गुफा क्षेत्र में गदेरी नदी के तेज बहाव के कारण 9 लोग नदी के बीच पानी से



फिर गए है सूचना को गंभीरता से लेते हुए सागर पुलिस द्वारा तत्काल रेस्क्यू ऑपरेशन प्रारंभ किया गया पुलिस अधीक्षक सागर द्वारा पूरे घटनाक्रम की लगातार मॉनिटरिंग करते हुए संबंधित अधिकारियों एवं विभागों से समन्वय स्थापित किया गया तथा आवश्यक संसाधनों को तत्काल मौके पर पहुंचाने के निर्देश दिए गए आबचंद गुफा की ओर से रेस्क्यू स्थल तक पहुंचना अत्यंत कठिन एवं जोखिमपूर्ण था।

परिस्थितियों का आकलन करते हुए पुलिस अधिकारियों द्वारा तत्काल वैकल्पिक मार्ग से आबचंद गांव की ओर से रेस्क्यू स्थल तक पहुंचने की रणनीति बनाई गई पुलिस एवं एसडीआरएफ की टीम घने जंगल, अंधेरे एवं अत्यंत दुर्गम रास्ते से लगभग 4 किलोमीटर पैदल आगे बढ़ी। रास्ते में जंगली जानवरों का खतरा और कठिन भौगोलिक परिस्थितियां होने के बावजूद टीम ने बिना समय गंवाए आगे

बढ़ना जारी रखा स्थानीय ग्रामीणों की सहायता, जीपीएस नेविगेशन एवं सर्चलाइट की मदद से टीम ने रेस्क्यू स्थल तक पहुंच बनाई रेस्क्यू स्थल पर पहुंचने के बाद स्थिति अत्यंत चुनौतीपूर्ण थी नदी का बहाव तेज था तथा पानी से चारों ओर घिरे लोगों तक पहुंचना जोखिमपूर्ण था ऐसे में होमगार्ड एवं एसडीआरएफ टीम ने विशेष रेस्क्यू कौशल एवं साहस का परिचय देते हुए कार्रवाई प्रारंभ की एसडीआरएफ जवानों ने अत्यंत सावधानी के साथ तेज बहाव के बीच पहुंचकर नदी में फंसे सभी 9 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान पुलिस, एसडीआरएफ, होमगार्ड एवं स्थानीय ग्रामीणों के बीच बेहतर समन्वय बनाए रखा गया रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों द्वारा लगातार स्थिति की निगरानी की गई।

पैरामेडिकल स्टाफ की मौत, घर में मिला शव पुलिस जांच में जुटी

मीडिया ऑडिटर, नर्मदापुरम (निप्र)। शहर के मालाखेड़ी रोड स्थित गोल्डन सिलिकॉन सिटी कॉलोनी में रविवार सुबह 43 वर्षीय महिला की मौत का मामला सामने आया। महिला की पहचान सरोज गोयल के रूप में हुई है। वह शहर के एक निजी अस्पताल में पैरामेडिकल स्टाफ के रूप में कार्यरत थीं। घटना के बाद पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है पुलिस के अनुसार महिला अपनी 11 वर्षीय बेटी के साथ एक कमरे में सो रही थीं, जबकि उनके पति दूसरे कमरे में थे। सुबह बेटी की नजर मां पर पड़ी तो उसने शोर मचाया। आवाज सुनकर पति और पड़ोसी मौके पर पहुंचे और महिला को अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया घटना की

सूचना मिलने के बाद कोतवाली पुलिस और एफएसएल टीम मौके पर पहुंची। टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण कर आवश्यक साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने मौके से संबंधित सामग्री जब्त की है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है एसआई वंशज श्रीवास्तव ने बताया कि प्रथम दृष्टया मौत फांसी से होने की बात सामने आई है महिला ने यह कदम क्यों उठाया इसका कारण फिलहाल स्पष्ट नहीं है पुलिस परिवार के सदस्यों के बयान दर्ज कर मामले की जांच करेगी घटना के बाद महिला के पति और बेटी सदमे में हैं। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर लिया है और आत्महत्या के कारणों समेत घटना से जुड़े अन्य पहलुओं की जांच की जा रही है।



मीडिया ऑडिटर, भोपाल (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशानुसूप प्रदेश में साइबर अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाने तथा पीडितों के नेतृत्व में देवास पुलिस ने डिजिटल अरेस्ट फ्रंट के एक अंतरराज्यीय नेटवर्क का

सहजक व्यवस्था लागू की गई है। इसी क्रम में पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा के मार्गदर्शन एवं अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक ए साई मनोहर के नेतृत्व में देवास पुलिस ने डिजिटल अरेस्ट फ्रंट के एक अंतरराज्यीय नेटवर्क का

खाताधारकों, मोबाइल नंबरों, बैंक स्टेटमेंट, बैंक शाखाओं के सीसीटीवी फुटेज एवं अन्य तकनीकी साक्ष्यों का विस्तृत विश्लेषण किया गया जांच के दौरान प्रत्येक बैंकिंग लेयर का तकनीकी एवं वित्तीय विश्लेषण करते हुए पुलिस टीम आरोपियों तक पहुंची ठगी की रकम के ट्रैजिक्शन का लगातार पीछा करते हुए देवास पुलिस की 19 टीमों में शामिल 70 पुलिसकर्मीयों ने राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र, तेलंगाना, आंध्रप्रदेश, कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु, बिहार, झारखंड, प्रसिध्द बंगाल, उत्तरप्रदेश, दिल्ली सहित कुल 17 राज्यों के 33 जिलों में स्थानीय पुलिस के समन्वय से

संदिग्ध खाताधारकों एवं आरोपियों के छिक्तों पर दबिश दी इस अंतरराज्यीय कार्रवाई के दौरान पुलिस टीमों ने लगातार 127 दिनों तक आरोपियों की तलाश, बैंक खातों की जांच, बैंक शाखाओं से तकनीकी साक्ष्य संकलन तथा संदिग्धों की गतिविधियों का सत्यापन किया इस दौरान टीमों ने लगभग 58 हजार 315 किलोमीटर की दूरी तय की और विभिन्न राज्यों में समन्वित कार्रवाई करते हुए नेटवर्क से जुड़े 12 आरोपियों को गिरफ्तार किया जांच में सामने आया कि साइबर ठगों द्वारा स्वयं को दूसराचर विभाग, मुंबई ब्राइम ब्रांच एवं सीबीआई का अधिकारी बताकर

पीडित को फोन एवं वीडियो कॉल के माध्यम से मनी लॉन्ड्रिंग प्रकरण में फंसेना और गिरफ्तारी का डर दिखाकर फर्जी जांच प्रक्रिया संचालित की गई तथा न्यायालय जैसी परिस्थितियां निर्मित कर पीडित से उसकी बैंकिंग एवं निवेश संबंधी जानकारी हासिल की गई इसके बाद जांच के नाम पर विभिन्न बैंक खातों में राशि जमा करारक उसे अलग-अलग खातों में स्थानांतरित करया गया पुलिस ने बैंकिंग चैनल की विभिन्न कड़ियों को ट्रेस करते हुए नेटवर्क से जुड़े खातों और आरोपियों तक पहुंच बनाई तथा कार्रवाई के दौरान लगभग 54 लाख 84 हजार रुपए की राशि बरामद की।

पुजारी के घर घुसकर हमले के 5 दोषियों को सजा बेटी को भगाने से रोकने पर दरवाजा तोड़कर घुसे थे; एक की मौत हो चुकी



मीडिया ऑडीटर, रतलाम (निप्र)। रतलाम में करीब ढाई साल पहले रात में पुजारी के मकान में घुसकर मारपीट व परिवार के सदस्यों पर जानलेवा हमला करने वाले पांच आरोपियों को कोर्ट ने शनिवार को 7-7 साल की सजा सुनाई है। हमले में पुजारी को शरीर पर चाकू से कई चोटें आई थीं। फैसला सप्ताह अपर सत्र न्यायाधीश रतलाम राजेश नामदेव ने सुनाया।

यह था मामला: पैरवीकर्ता अपर लोक अभियोजन एवं शासकीय अधिवक्ता समर्थ पाटीदार ने बताया कि 30 जनवरी 2024 की रात लगभग 12:45 बजे फरियादी अपने परिवार के साथ कबीर साहब मंदिर परिसर के पीछे स्थित मकान में सो रहा था। फरियादी लगभग 30 वर्षों से मंदिर में पुजारी का कार्य कर रहा था। फरियादी की 18 वर्षीय बेटी को आरोपी भयु उर्फ यश अपने साथ ले जाकर उससे शादी करना चाहता था। इस कारण परिजनों द्वारा बेटी को उसकी नानी के पास ग्वालियर भेज दिया था। इसी बात से नाराज होकर आरोपी भयु उर्फ यश अपने अन्य पांच साथियों के साथ पुजारी के मकान पर पहुंचा। आरोपियों ने दरवाजा तोड़कर मकान में प्रवेश किया। फरियादी पर जान से मारने की नीयत से धारदार चाकू से ग्राहक घमला कर दिया। फरियादी को बचाने आए उसके बेटे, पत्नी एवं माता के साथ भी आरोपियों द्वारा चाकू से हमला कर मारपीट की गई थी।

केस दर्ज कर पुलिस जांच में जुटी: फरियादी की रिपोर्ट पर थाना स्टेशन रोड, रतलाम में आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर पुलिस जांच में जुटी। फरियादी एवं अन्य गवाहों के कथन लेकर आरोपी भयु उर्फ यश एवं रेहान उर्फ बाल को गिरफ्तार किया गया। भयु उर्फ यश से घटना में पेश धारदार चाकू भी जब्त किया। अन्य आरोपियों की सलिमता सामने आने पर उन्हें भी गिरफ्तार कर पांचों आरोपियों के खिलाफ अभियोग पत्र न्यायालय में पेश किया। न्यायालय में बयान के दौरान फरियादी व उसकी पत्नी ने आरोपीगण की पहचान मारपीट करने वालों के रूप में की थी। न्यायालय ने जुर्माने की राशि में से 15 हजार रुपए फरियादी को देने का आदेश किया। आरोपी भयु उर्फ यश को हाईकोर्ट से भी जमानत नहीं मिलने से गिरफ्तारी दिनांक 1 फरवरी 2024 से ही जेल में है। शेष आरोपी जमानत पर होने से गिरफ्तार कर इन्हें जेल भेज दिया।

मंदसौर में 6 दिन में सिर्फ 0.04 इंच बारिश:धूप-उमस से बढ़ी परेशानी, 24 से फिर बारिश के आसार



मीडिया ऑडीटर, मंदसौर (निप्र)। मंदसौर जिले में बारिश का दौर फिलहाल थमा हुआ है। पिछले छह दिनों में पूरे जिले में सिर्फ 0.04 इंच बारिश दर्ज हुई है। शनिवार को दिनभर धूप रही और रविवार को भी मौसम इसी तरह बना हुआ है। बारिश रुकने के बाद गर्मी और उमस बढ़ गई है।

31 डिग्री तक पहुंचा तापमान: शनिवार को मंदसौर में दिन का तापमान करीब 31 डिग्री सेल्सियस रहा। बारिश नहीं होने से उमस का असर बढ़ गया। दलोदा, अफजलपुर, सीतामऊ, नाहरगढ़, भानपुरा, गरोट, सुवासरा, शामगढ़, मल्हारगढ़, पिपलियागढ़, नारायणगढ़, डिगांव और बरखेड़ा समेत ज्यादातर इलाकों में भी बारिश नहीं हुई। इस साल अब तक 20.37 इंच बारिश: 1 जून से 23 अगस्त तक जिले में औसतन 517.4 मिमी यानी 20.37 इंच बारिश दर्ज की गई है। पिछले साल इसी अवधि में 22.11 इंच बारिश हुई थी। यानी इस साल अब तक करीब 2 इंच कम बारिश हुई है। जिले में सबसे ज्यादा बारिश धुंधड़का में 645 मिमी दर्ज की गई है। इसके बाद भावगढ़ में 576.2, मल्हारगढ़ में 541, शामगढ़ में 538.2, गरोट में 527, सीतामऊ में 520, सुवासरा में 514.1, मंदसौर में 501, भानपुरा में 498.6, कयामपुर में 427.5 और सजीत में 403 मिमी बारिश हुई है।

मंदसौर तहसील में 60 मिमी कम बारिश: मंदसौर तहसील में 1 जून से 23 अगस्त तक 501 मिमी यानी करीब 19.72 इंच बारिश हुई है।

नर्मदापुरम में पैरामेडिकल स्टाफ ने फांसी लगाकर जान दी सुबह बेटी ने फंदे पर लटका देखा तो चीखने लगी; पति-पड़ोसी अस्पताल ले गए

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम शहर के मालाखेड़ी रोड स्थित गोल्डन सिलिकॉन सिटी कॉलोनी की एक मल्टी में रहने वाली 43 वर्षीय महिला ने रविवार सुबह आत्महत्या कर ली। पहचान सरोज गोयल के रूप में हुई, जो शहर के निजी सेवक हॉस्पिटल में पैरामेडिकल स्टाफ के रूप में काम करती थीं। पुलिस के मुताबिक घटना रविवार सुबह करीब 7 बजे की है। तीसरे फ्लोर पर स्थित फ्लैट में महिला अपनी 11 साल की बेटी के साथ एक कमरे में सो रही थीं, दूसरे कमरे में पति नीलेश गोयल सो रहे थे। सुबह बेटी जागी तो उसने मां को घर की कवर्ड बालकनी में इस हालत में देखा और चीख पड़ी। आवाज सुनकर पति और पड़ोसी मौके पर पहुंचे और तत्काल उन्हें अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद कॉलोनी में सनसनी फैल गई। परिवार में पति का मेडिसिन सप्लाई का व्यवसाय है। घटना के बाद पति और बेटी गहरे सदमे में हैं। कोववाली पुलिस जांच कर रही है। पुलिस को पंखे में टपटप लटका मिला घटना के



बाद कोतवाली थाने से पुलिस और एफएसएल मौके पर पहुंची। बालकनी में टुपटे से बना फंदे पंखे में लटका मिला। पुलिस ने दुपट्टा और अन्य साक्ष्य मौके से जब्त किए।

सुसाइड की वजह पता लगा रहे: एसआई वंशज श्रीवास्तव ने बताया प्रथम

दृष्टया मृत्यु फांसी से हुई है। घटनास्थल का मुआयना किया गया है। आत्महत्या के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। मामले की जांच जारी है। परिवार के बयान दर्ज किए जा रहे हैं। पुलिस ने मां कायम कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

जल जीवन मिशन के कार्यों का प्रमुख अभियंता ने किया निरीक्षण

मेहरूखेड़ी में ग्रामीणों से संवाद, अटारी खेजड़ा में निर्माणाधीन उच्च स्तरीय टंकी व सम्पवेल के कार्यों की ली जानकारी

मीडिया ऑडीटर, विदिशा (निप्र)। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान-2026 के अंतर्गत लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के प्रमुख अभियंता श्री संजय कुमार अंधवान एवं अधीक्षण यंत्री श्री एम.सी. अहिरवार ने विकासखंड ग्यारसपुर के ग्राम मेहरूखेड़ी एवं अटारी खेजड़ा का भ्रमण कर जल जीवन मिशन के अंतर्गत संचालित एवं निर्माणाधीन नल-जल योजनाओं का स्थल निरीक्षण किया। इस दौरान अधिकारियों ने पेयजल व्यवस्था की स्थिति, योजनाओं के संचालन तथा निर्माण कार्यों की प्रगति एवं गुणवत्ता का जायजा लिया।

मेहरूखेड़ी में ग्रामीणों से लिया पेयजल व्यवस्था का फीडबैक: ग्राम मेहरूखेड़ी में प्रमुख अभियंता श्री संजय कुमार अंधवान ने ग्रामीणों से सीधे संवाद कर गांव में पेयजल आपूर्ति की स्थिति, पेयजल की गुणवत्ता तथा नल-जल योजना के संचालन के संबंध में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने ग्रामीणों से योजना के नियमित संचालन में आ रही समस्याओं के बारे में भी चर्चा की और आवश्यक सुझाव दिए। प्रमुख अभियंता ने ग्रामीणों को नल-जल योजना के सुचारू एवं निरंतर संचालन के लिए निर्धारित पेयजल शुल्क की राशि प्रतिमाह समय पर जमा करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि ग्रामीणों द्वारा नियमित रूप से जमा की



जाने वाली राशि का उपयोग योजना से संबंधित विद्युत बिलों के भुगतान, पंप

ऑपरेटर के मानदेय तथा नल-जल योजना के आवश्यक संधारण एवं रखरखाव

कार्यों में किया जाता है। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों की सहभागिता एवं सहयोग से ही

सागर में बीएमसी-नर्सिंग कॉलेज को मिली 60 सीटों की मंजूरी

वर्ष 2024 में प्रवेश पर लगी थी रोक, 6 जिलों के छात्रों को मिलेगा सीधा लाभ

मीडिया ऑडीटर, सागर (निप्र)। सागर के बुन्देलखंड मेडिकल कॉलेज (इंस्टी) के शासकीय कॉलेज ऑफ नर्सिंग को 60 नर्सिंग सीटों की मंजूरी मिल गई है। पिछले दो वर्षों से स्टाफ और जरूरी संसाधन जुटाने के प्रयासों के बाद संस्थान को यह अनुमति मिली है। वर्ष 2024 में नर्सिंग कॉलेज में प्रवेश पर रोक लग गई थी। इसके बाद प्रबंधन ने व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने और मान्यता बहाल करने की प्रक्रिया शुरू की थी।

स्टाफ और संसाधन जुटाने के बाद मिला अनुमोदन:

प्रवेश पर रोक लगने के बाद बीएमसी प्रबंधन ने नर्सिंग कॉलेज की व्यवस्थाओं को बेहतर करने पर काम किया। आवश्यक स्टाफ और संसाधन उपलब्ध कराने के बाद कॉलेज की मान्यता के लिए आवेदन किया गया। आवेदन प्रक्रिया पूरी होने के बाद अब 60 सीटों को मंजूरी दी गई है।

छह जिलों के विद्यार्थियों को मिलेगा : बीएमसी नर्सिंग कॉलेज में सीटें शुरू होने से सागर के साथ दमोह, पन्ना, छतरपुर,



टीकमगढ़ और निवाड़ी जिले के विद्यार्थियों को भी लाभ मिलेगा। इन क्षेत्रों के विद्यार्थियों को नर्सिंग शिक्षा के लिए बड़े शहरों का रुख नहीं करना पड़ेगा और अपने ही संभाग में बेहतर शैक्षणिक सुविधा उपलब्ध हो सकेगी।

प्रशिक्षित नर्सिंग स्टाफ तैयार

कस्ते में मिलेगी मदद:

बीएमसी के डीन डॉ. पीएस ठाकुर ने बताया कि 60 नर्सिंग सीटों की उपलब्धता से संस्थान में प्रशिक्षित नर्सिंग स्टाफ तैयार करने में मदद मिलेगी। इसका लाभ बीएमसी के साथ आसपास के शासकीय अस्पतालों को भी

मिलेगा। प्रशिक्षित नर्सिंग कर्मियों की उपलब्धता बढ़ने से अस्पतालों में मरीजों की देखभाल और उपचार व्यवस्था को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। इससे सागर और आसपास के जिलों की स्वास्थ्य सेवाओं को भी मजबूती मिलने की उम्मीद है।

● तापमान 31 डिग्री; अगले 5 दिन तेज बारिश के आसार नहीं

खरगोन में 11 दिन से बारिश का इंतजार

मीडिया ऑडीटर, खरगोन (निप्र)। खरगोन जिले में पिछले 11 दिनों से बारिश नहीं हुई है। इसके चलते दिन का तापमान बढ़कर 31 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है। दोपहर में उमस भी बढ़ गई है। मौसम विभाग के अनुसार, अगले पांच दिनों में खरगोन में तेज बारिश की संभावना कम है। हालांकि कुछ स्थानों पर हल्की बौछारें पड़ सकती हैं।

12 अगस्त को हुई थी आखिरी बारिश: जिले में आखिरी बार 12 अगस्त को बारिश दर्ज की गई थी। इसके बाद



से मौसम शुष्क बना हुआ है। दिन में धूप निकलने के साथ उमस बढ़ रही है। खरगोन, गोगावां, भीकनगांव और भगवानपुरा क्षेत्र में पहले हुई अच्छी बारिश का असर अब भी दिखाई दे रहा है। इन इलाकों से गुजरने वाली वेदा, कुंदा और उनकी सहायक नदियों में पानी बह रहा है।

बड़े जलाशय भरे, छोटे अब

भी खाली: अच्छी बारिश के चलते देजला देवाड़ा, अपरवेदा और साटक जैसे बड़े जलाशय भर चुके हैं। हालांकि जिले के अधिकांश छोटे जलाशयों में अभी पर्याप्त पानी नहीं पहुंचा है। बारिश का दौर थमने से इन जलाशयों में पानी की आवक भी प्रभावित हुई है।

पिछले साल से 6 इंच ज्यादा बारिश: खरगोन में इस साल अब तक 24.7 इंच बारिश दर्ज की जा चुकी है। पिछले साल इसी अवधि में 18.7 इंच बारिश हुई थी। में करीब 6 इंच ज्यादा बारिश हो चुकी है।

सागर में उल्टन बांध ओवरफ्लो, 451 मीटर भरा

डूबे 3 प्रमुख पुल, बंद हुए रास्ते, प्रशासन ने तैनात किए सुरक्षा गार्ड

मीडिया ऑडीटर, सागर (निप्र)। सागर में बंडा वृहद सिंचाई परियोजना के तहत बनाए गए उल्टन बांध का जलस्तर क्रस्ट लेवल 451 मीटर से ऊपर पहुंचने के बाद बांध ओवरफ्लो हो गया है। लगातार बारिश के चलते बांध के कैचमेंट एरिया में पानी भरने लगा है। बांध से निकल रहे पानी के कारण आसपास के इलाकों में जलभराव की स्थिति बन गई है।

बहरोल पुल पूरी तरह डूबा: बांध का पानी बढ़ने से सागर-धामोनी मार्ग पर ग्राम बहरोल में बना पुल पूरी तरह पानी में डूब



गया है। इसके बाद इस मार्ग पर वाहनों का आवागमन बंद कर दिया गया है। मार्ग पर सुरक्षा की दृष्टि से लोगों को पुल पार करने से रोका जा रहा है। बांध निर्माण के बाद यह पहला मौका है, जब बारिश के सीजन में उल्टन बांध को पूरी क्षमता तक भरा जा रहा है। पहले वर्ष बांध का जलस्तर

451 मीटर तक रखने का लक्ष्य था, जो अब पूरा हो चुका है।

तीन पुल पानी में डूबे, कई रास्ते बंद: लगातार बारिश और बढ़ते जलस्तर के कारण सागर-धामोनी, बंडा-बांदरी और नीमोन-पिपरिया इल्लाई मार्ग प्रभावित हुए हैं। बंडा-बांदरी और नीमोन-पिपरिया इल्लाई मार्ग के पुल पहले ही डूब चुके थे, जबकि अब सागर-धामोनी मार्ग पर बहरोल का पुल भी पानी में डूब गया है। इन सभी मार्गों पर आवागमन बंद कर दिया गया है। लोगों की सुरक्षा के लिए संबंधित स्थानों पर सुरक्षा गार्ड भी तैनात किए गए हैं।

ओवरब्रिज हादसे में 17 दिन बाद बाइक सवार की मौत

आरोप- मेडिकल कॉलेज में न्यूरोसर्जन नहीं होने से जान गई; पीएम की सामग्री खरीदकर लाना पड़ा

मीडिया ऑडीटर, खंडवा (निप्र)। खंडवा में एक सड़क एक्सीडेंट के दौरान गंभीर घायल हुए जनपद सदस्य के भाई की इलाज के दौरान मौत हो गई। रविवार को पोस्टमार्टम के बाद शव को परिजन के सुपुर्द कर दिया गया। हादसा मूंदी रोड पर सिहाड़ा ओवरब्रिज के पास हुआ था। आमने-सामने बाइक की भिड़ंत हो गई थी। मृतक की पहचान शेख अजीज (51) निवासी मुंदवाड़ा के रूप में हुई है। इधर, मृतक के भाई शेख इमरान (जनपद सदस्य) ने बताया कि भाई के परिवार में उनकी पत्नी और चार बेटे हैं, सभी बच्चे अविवाहित हैं। वे खेती करते हैं और घटना वाले दिन 5 अगस्त को घर से खंडवा जा रहे थे। इसी दौरान सामने से एक बाइक वाले ने रांना साइड आकर टक्कर मार दी थी। लोगों ने भाई को अस्पताल भिजवाया, सिर



में अंदरूनी चोट होने से उनकी हालत गंभीर थी। शुरुआत में कुछ दिन मेडिकल कॉलेज अस्पताल और फिर इंदौर में इलाज कराया गया। जहां वेंटिलेटर सपोर्ट दिया गया, लेकिन बाद में वापस खंडवा अस्पताल भेज दिया। परिजनों की मांगें तो इतने बड़े अस्पताल में न्यूरो सर्जन तक नहीं हैं, विशेषज्ञ होते तो समय पर इलाज होने से जान बच जाती। 17 दिन तक

कि पालीथीन, कपड़े और अन्य सामग्री परिवार वालों को ही लाकर देना होती है। ऐसा बहुत समय से चला आ रहा है। इसके बाद बाजार गए और करीब एक हजार रुपए का सामान खरीदकर मार्च्युरी स्टाफ को दिया।

CMHO बोले- सामान देने का नियम अस्पताल का: मामले में सीएमएचओ डॉ. ओपी जुगतावत का कहना है कि पोस्टमार्टम रूम का मैनेजमेंट जिला अस्पताल और मेडिकल कॉलेज का है। शव परीक्षण के दौरान सभी संसाधन और सामग्री अस्पताल बंधन द्वारा ही उपलब्ध कराई जाना चाहिए। यह नियम है। यदि सामग्री परिजनों से बुलवाई जाती है तो यह मानवीयता के खिलाफ भी है। शिकायत मिलती है तो जांच करके कार्रवाई की जाएगी।

चले इलाज के बाद भी उनकी जान नहीं बचाई जा सकी। खंडवा से इंदौर रेफर किया, तब तक हालत और बिगड़ चुकी थी।

मानसी लाथर ने रजत, तन्वी और कोमल ने जीता कांस्य पदक



स्लोवाकिया ,एजेसी। भारतीय महिला कुश्ती टीम ने स्लोवाकिया में अपनी अंडर-20 वर्ल्ड चैंपियनशिप की गिनती में तीन और पदक जोड़े। चैंपियनशिप के आखिरी दिन टीम ने एक रजत और दो कांस्य पदक हासिल किए। मानसी लाथर को 68 किग्रा भार वर्ग के फाइनल में चीन की चेनलिंग सोंग के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। मानसी डिफेंसिव बाउट 1-2 से हार गई। इसके बाद उन्हें रजत पदक से संतोष करना पड़ा। तन्वी गुडेश मगदुम ने 57 किग्रा भार वर्ग में कनाडा की एगिनया क्राकोवस्का को 10-4 से हराकर कांस्य पदक जीता। वहीं, कोमल ने 59 किग्रा भार वर्ग में हंगरी की एडा बालाज को 5-2 से हराकर कांस्य पदक जीता। इससे पहले शुक्रवार को, भारतीय महिला कुश्ती की नई सनसनी काजल ने 76 किग्रा भार वर्ग में स्वर्ण पदक जीता था। इसके अलावा तनु शर्मा और सविता ने रजत पदक जीते थे।

2034 तक चेल्सी में बने रहेंगे जोआओ पेड्रो, क्लब ने की कॉन्ट्रैक्ट बढ़ाने की पुष्टि

लंदन ,एजेसी। चेल्सी के फॉरवर्ड जोआओ पेड्रो ने प्रीमियर लीग क्लब के साथ एक नए कॉन्ट्रैक्ट पर साइन किया है। यह कॉन्ट्रैक्ट साल 2034 तक के लिए किया गया है। शनिवार को क्लब ने इसकी घोषणा की है। बाजील के इस खिलाड़ी ने जुलाई 2025 में ब्राइटन एंड होव एल्बियन से चेल्सी का रुख किया था और आते ही अपनी छाप छोड़ी। उन्होंने क्लब को फीफा क्लब वर्ल्ड कप जिताने में अहम भूमिका निभाई। पेड्रो ने सेमीफाइनल में अपने पूर्व क्लब फ्लुमिनेंस के खिलाफ दो गोल किए और फिर पेरिस सेंट-जर्मेन के खिलाफ चेल्सी की फाइनल जीत में भी गोल करके लंदन की टीम को ट्रॉफी जिताने में अहम भूमिका निभाई। 23 वर्षीय खिलाड़ी ने चेल्सी में अपने पहले पूरे सीजन में शानदार फॉर्म जारी रखी। उन्होंने सभी प्रतियोगिताओं में 20 गोल किए और उन्हें समर्थकों द्वारा क्लब का 'प्लेयर ऑफ द सीजन' चुना गया। पेड्रो ने वेस्ट हैम यूनाइटेड के खिलाफ घर से बाहर खेले गए गेम में 2025/26



सीजन का चेल्सी का पहला गोल भी किया और बाद में टोटेनहम हॉटस्पूर के खिलाफ जीत में एकमात्र गोल भी दागा। उन्होंने यूईएफए चैंपियंस लीग में भी

अपनी छाप छोड़ी और नेपोली के खिलाफ चेल्सी की जीत में दो गोल किए। अपना कार्यकाल बढ़ाने के बाद पेड्रो ने कहा, 'मैं चेल्सी के साथ नया कॉन्ट्रैक्ट

आर्चरी प्रीमियर लीग खेलेंगी ओलंपिक मेडलिस्ट केसी कॉफहोल्ड

- सीजन 2 में शामिल होंगे दुनिया के 12 स्टार तीरंदाज



हैदराबाद ,एजेसी। पेरिस 2024 ओलंपिक की ब्रॉन्ज मेडलिस्ट केसी कॉफहोल्ड (यूएसए) आर्चरी प्रीमियर लीग (एपीएल) के दूसरे सीजन में डेब्यू करेंगी। यह टूर्नामेंट 8 अक्टूबर से हैदराबाद में शुरू होगा, जिसमें 10 अलग-अलग देशों के 12 विदेशी तीरंदाज हिस्सा लेंगे। आर्चरी एसोसिएशन ऑफ इंडिया की इस लीग का दूसरा सीजन तेलंगाना सरकार के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। इसमें छह क्षेत्रीय फ्रैंचाइजी में बंटे 48 तीरंदाज हिस्सा लेंगे। मौजूदा वर्ल्ड गेम्स इंडिविजुअल चैंपियन माइक श्लोसेर (वर्ल्ड नंबर 2) और एंड्रिया बेसेरा (वर्ल्ड नंबर 1) पहले सीजन के बाद फिर से वापसी करेंगे। सीजन 1 के स्टार और 2025 वर्ल्ड चैंपियनशिप के सिल्वर मेडलिस्ट मैथियास फुलरटन भी वापसी करेंगे। इनके साथ मैक्सिको के 22 वर्षीय मटियास ग्रांडे (वर्ल्ड नंबर 3) और स्पेन की एलिया कैनेलेस भी 11 दिन तक चलने वाले इस टूर्नामेंट में हिस्सा लेंगे। 20 वर्षीय ओलंपिक मेडलिस्ट केसी कॉफहोल्ड उन खास खिलाड़ियों की लिस्ट में शामिल होंगी, जिनमें तुर्की के मेटे गाजोज और मैक्सिको की एलेजाब्रा वैलेंसिया जैसे ओलंपिक मेडलिस्ट शामिल हैं। ये दोनों खिलाड़ी लीग के पहले सीजन में भी खेले थे। कपाउंड आर्चरी में वर्ल्ड नंबर 3 खिलाड़ी, कोलंबिया की एलेजाब्रा उस्किरयानो, और ब्राजील के मार्कस दी 'अल्मेडा - जो वर्तमान में दुनिया के नंबर 1 खिलाड़ी हैं और 2014 युथ ओलंपिक खेलों में ब्रॉन्ज मेडलिस्ट रहे हैं - उन अन्य अंतरराष्ट्रीय तीरंदाजों में शामिल हैं।

भारत बनाम श्रीलंका: कोलंबो में शुभमन गिल के निशाने पर होंगे कई बड़े रिकॉर्ड्स

जो रूट को छोड़ सकते हैं पीछे



नई दिल्ली ,एजेसी। भारत और श्रीलंका के बीच टेस्ट सीरीज का दूसरा और आखिरी मुकाबला रविवार से कोलंबो के सिंहली क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाना है। दूसरे टेस्ट में भारतीय कप्तान शुभमन गिल के पास कई बड़े रिकॉर्ड्स अपने नाम करने का सुनहरा मौका होगा। दरअसल, वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के मौजूदा साइकल में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में गिल अभी संयुक्त रूप से पहले स्थान पर हैं। गिल और इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान जो रूट ने इस साइकिल में पांच-पांच शतक लगाए हैं। श्रीलंका के खिलाफ दूसरे टेस्ट में अगर गिल शतक लगाते हैं, तो वह मौजूदा डब्ल्यूटीसी साइकिल में सर्वाधिक

शतक लगाने वाले बल्लेबाज बन जाएंगे। इसके साथ ही गिल डब्ल्यूटीसी के इस साइकिल में एक हजार रन पूरे करने से सिर्फ 26 रन दूर है। गिल ने अब तक खेले 9 टेस्ट मैचों में 69.57 की औसत से 974 रन बनाए हैं। डब्ल्यूटीसी की मौजूदा साइकिल में गिल से आगे जो रूट और हैरी ब्रूक हैं। रूट 1174 और ब्रूक 1147 रन बना चुके हैं। टीम इंडिया के कप्तान शुभमन गिल अगर कोलंबो में 7 रन बनाने में सफल रहते हैं, तो वह टेस्ट क्रिकेट में 3 हजार भी पूरे कर लेंगे। गिल ने क्रिकेट के सबसे लंबे फॉर्मेट में खेले 42 टेस्ट मैचों में 2,993 रन बनाए हैं। इस दौरान उन्होंने 8 शतक और 11 अर्धशतक लगाए हैं। हालांकि, गाले में खेले गए पहले टेस्ट की दोनों ही पारियों में शुभमन गिल का बल्ला खामोश रहा था। पहली पारी में गिल 28 गेंदों का सामना करने के बाद सिर्फ 16 रन ही बना सके थे। वहीं, दूसरी इनिंग में गिल महज 8 रन बनाकर पवेलियन लौटे थे। ऐसे में भारतीय कप्तान दूसरे टेस्ट में दमदार प्रदर्शन करना चाहेंगे। भारत ने पहले टेस्ट में श्रीलंका को 165 रनों से हराया था। भारत की ओर से देवदत्त पंडिकरल ने 167 रनों की लाजवाब पारी खेली थी।

शिवी की नाबाद अर्धशतकीय पारी, स्ट्राइकर्स ने दर्ज की लगातार दूसरी जीत

नई दिल्ली ,एजेसी। नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स ने विमेंस दिल्ली प्रीमियर लीग 2026 के तीसरे मुकाबले में साउथ दिल्ली सुपरस्टार्स को 10 रन से मात दी। सीजन में लगातार दूसरी जीत के बाद स्ट्राइकर्स ने प्लाइट्स टेबल में पहला स्थान मजबूत कर लिया है। वहीं, 2 में से 1 मैच गंवाकर सुपरस्टार्स दूसरे पायदान पर है। शनिवार को अरुण जेटली स्टेडियम में पहले बल्लेबाजी करने उतरी नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स ने निर्धारित ओवरों में 4 विकेट खोकर 141 रन बनाए। शिवी शर्मा ने उपमासा यादव के साथ पहले विकेट के लिए 75 गेंदों में 84 रन की साझेदारी की। उपमासा 42 गेंदों में 7 चौकों के साथ 43 रन बनाकर पवेलियन लौटीं।

इसके बाद शिवी ने मोर्चा संभाला। उन्होंने कप्तान आयुषी सोनी के साथ दूसरे विकेट के लिए 37 गेंदों में 48 रन जुटाते हुए टीम को 132 के स्कोर तक पहुंचाया। आयुषी 19 गेंदों में 17 रन बनाकर आउट हुईं, जिसके बाद टीम ने 20वें ओवर की अंतिम दो गेंदों पर नजमा (1) और अर्चना (1) के विकेट भी गंवा दिए। शिवी ने 54 गेंदों में नाबाद 71 रन बनाए, उनकी इस पारी में 9 चौके भी शामिल रहे। विपक्षी खेमे से रूपाली मोहन ने 25 रन देकर 2 विकेट हासिल किए, जबकि दीक्षा नागर ने 20 रन देकर 2 विकेट चटकए। इसके जवाब में साउथ दिल्ली सुपरस्टार्स निर्धारित ओवरों में 5 विकेट गंवाकर 131 रन ही बना सकी। इस टीम को

तीसरी गेंद पर ही निशिका सिंह (0) के रूप में झटका लग गया था। इसके बाद तनिका सिंह ने प्रिया पुनिया के साथ दूसरे विकेट के लिए 36 रन जोड़े। प्रिया 10 रन बनाकर पवेलियन लौटीं, जिसके बाद तनिका ने कप्तान श्वेता सेहरावत के साथ तीसरे विकेट के लिए 35 रन जुटाकर टीम को जीत की पटरी पर ला दिया था, लेकिन टीम रनों की रफ्तार में तेजी नहीं ला सकी। तनिका ने 44 गेंदों में 6 चौकों के साथ 46 रन की पारी खेली, जबकि श्वेता ने 27 रन और तनीशा सिंह ने 24 रन का योगदान दिया। विपक्षी खेमे से नजमा में सर्वाधिक 2 विकेट हासिल किए। रशिका बेनीवाल, अपेक्षा आनंद और प्रिया मिश्रा ने 1-1 विकेट चटकाया।

बायर्न म्यूनिख ने जीता खिताब

फाइनल में बोरुसिया डॉर्टमुंड को 2-1 से हराया



डॉर्टमुंड ,एजेसी। बायर्न म्यूनिख ने बोरुसिया डॉर्टमुंड को 2-1 से हराकर सीजन का पहला जर्मन सुपरकप (फ्रांज बेकनबाउर सुपरकप) जीता। जमाल मुसियाला और सर्ज ग्नाब्री के बाहर होने पर, बायर्न के कोच विंसेंट कोम्पनी ने नए खिलाड़ी डिफेंडर नैथनियल ब्राउन को नंबर 10 रोल में भेजा। 23 साल के खिलाड़ी ने 28वें मिनट में गोल करके

कोच के भरोसे को सही साबित किया। जोशुआ किमिच ने माइकल ओलिस की ओर एक लंबी गेंद भेजी, जिन्होंने एरिया के किनारे पर डॉर्टमुंड के डिफेंस को रोककर बाउन को बॉल दी। जर्मनी के इंटरनेशनल खिलाड़ी ने कोई गलती नहीं की, और गोलकीपर ग्रेगर कोबेल को छकाते हुए बायर्न के लिए अपना पहला प्रतियोगी गोल किया।

पहले हाफ के स्टॉपिंग टाइम में विजिटर्स ने अपनी बढ़त दोगुनी कर ली। जोबे बेलिंगहैम ने अपने ही हाफ में पजेशन खो दिया। ओलिस गेंद लेकर पेनल्टी एरिया में दौड़े और शान्ति से कोबेल के पार नीचे-बाएं कोने में गोल कर दिया।

ब्रेक के बाद डॉर्टमुंड ने कई अटैकिंग सब्स्टीट्यूशन किए और 75वें मिनट में उन्हें इसका इनाम मिला जब सब्स्टीट्यूट फैबियो सिल्वा ने गोल किया। आखिरी स्टेज में दोनों टीमों ने तेजी से काउंटरअटैक किए। मैक्सिमिलियन बेयर के पास बराबरी करने का अच्छा मौका था लेकिन उन्होंने एक शॉट ऊपर मार गोल का मौका गंवा दिया और बायर्न ने जीत पक्की कर ली। इस जीत ने बायर्न को रिकॉर्ड 12वां सुपरकप टाइटल दिलाया। डॉर्टमुंड ने यह कॉम्पिटिशन छह बार जीता है। 2026-27 बुंडेसलीगा सीजन 28 अगस्त से शुरू होगा। डिफेंडिंग चैंपियन बायर्न वीएफबी स्टटगार्ट की मेजबानी करेगा। डॉर्टमुंड अगले दिन हैमबर्ग एसबी के खिलाफ अपने घरेलू मैदान पर अपना लीग कैपेन शुरू करेगा।

मैच के बाद न्यूएर ने कहा, 'अब टीम के साथ इस सीजन का मजा लेने का समय है, और फिर हम देखेंगे। लेकिन हां, यह हो सकता है कि यह आखिरी सीजन हो।'

4 बार IPL चैंपियन रहे भारतीय ऑलराउंडर ने क्रिकेट से लिया संन्यास



नई दिल्ली ,एजेसी। : भारतीय क्रिकेट के अनुभवी लेग स्पिनर और ऑलराउंडर करण शर्मा ने अंतरराष्ट्रीय और घरेलू क्रिकेट से संन्यास लेने का फैसला कर लिया है। उत्तर प्रदेश में जन्मे करण अब भारतीय क्रिकेट के सभी प्रारूपों को अलविदा कहेंगे। वह 25 अगस्त को उत्तर प्रदेश टी20 लीग 2026 में कानपुर सुपरस्टार्स के लिए अपना आखिरी मुकाबला खेलेंगे। करण शर्मा ने कानपुर सुपरस्टार्स और मेरठ मावेरिकस के बीच मुकाबले के बाद अपने संन्यास का ऐलान किया। इसके साथ ही भारतीय घरेलू क्रिकेट में उनका लंबा सफर समाप्त होने जा रहा है। हालांकि, संन्यास के बाद भी वह क्रिकेट से जुड़े रहेंगे और भविष्य में कोचिंग समेत खेल से जुड़ी अन्य जिम्मेदारियां संभालने के लिए तैयार हैं।

● करण शर्मा ने क्या कहा? संन्यास का ऐलान करते हुए करण शर्मा ने कहा, 'अब मैं संन्यास लेना चाहता हूं। मैं अपने परिवार, बीसीसीआई, रेलवे, यूपीसीए, आंध्र, विदर्भ क्रिकेट संघ और इस पूरे सफर में मेरा साथ देने वाले हर व्यक्ति का बेहद आभारी हूं।' उन्होंने आगे कहा कि संन्यास के बाद भी वह क्रिकेट की दुनिया से दूर नहीं होंगे। करण ने बताया कि वह भविष्य में कोचिंग और खेल से जुड़ी अन्य जिम्मेदारियों के लिए उपलब्ध रहेंगे। ● 4 बार IPL चैंपियन बने करण शर्मा करण शर्मा का आईपीएल करियर बेहद सफल रहा। उन्होंने 2013 में सनराइजर्स हैदराबाद के लिए आईपीएल डेब्यू किया और इसके बाद वह लीग के सबसे सफल खिलाड़ियों में शामिल हो गए। करण ने सनराइजर्स हैदराबाद के साथ 2016 में आईपीएल खिताब जीता। इसके बाद वह मुंबई इंडियंस से जुड़े और वहां भी चैंपियन बने। करण ने चेन्नई सुपर किंग्स के लिए चार सीजन खेले, जिसमें टीम ने 2018 और 2021 में आईपीएल ट्रॉफी अपने नाम की। इस तरह वह अपने करियर में कुल चार बार आईपीएल चैंपियन बने। चेन्नई के बाद करण शर्मा ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और फिर मुंबई इंडियंस का भी प्रतिनिधित्व किया। हालांकि, पिछले आईपीएल ऑक्शन में उन्हें कोई खरीदार नहीं मिला था। ● IPL में 90 मैच, 83 विकेट करण शर्मा ने अपने आईपीएल करियर में 90 मुकाबले खेले और 26.88 की औसत से 83 विकेट अपने नाम किए। इस दौरान उन्होंने दो बार एक मैच में चार विकेट लेने का कारनामा किया। बल्लेबाजी में करण ने 41 पारियों में 352 रन बनाए। वह सनराइजर्स हैदराबाद के लिए अब बंद हो चुकी चैंपियंस लीग टी20 में भी खेल चुके हैं। करण शर्मा उन चुनिंदा खिलाड़ियों में भी शामिल हैं, जिन्होंने लगातार तीन आईपीएल खिताब जीते हैं। इस खास सूची में सुयश शर्मा और फिल सॉल्ट का नाम भी शामिल है। ● अंतरराष्ट्रीय करियर रहा छोटा- करण शर्मा ने 2014 में भारतीय टीम के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू किया। उनका टी20 अंतरराष्ट्रीय करियर सिर्फ एक मैच का रहा, जिसमें उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ 28 रन देकर एक विकेट लिया।

न सिर्फ खुद चीन के मुकाबले पर भी होंगी भारत की निगाहें



तहर परखा था। कड़े मुकाबले वाली उस सीरीज का नतीजा 2-2 से झू रहा था। इससे पता चलता है कि आभने-साभने की टक्कर में टीमों कितनी बराबरी की हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बड़े मैच से पहले, भारत को मजबूत डच टीम के खिलाफ अपने अच्छे प्रदर्शन से आत्मविश्वास मिलेगा। शुरुआती गोल खाने के बावजूद, भारतीय डिफेंस शांत और अनुशासित रहा, जिसमें लंबे समय तक मेजबान टीम को परेशान किया और यह सुनिश्चित किया कि वे कोई फोल्ड गोल न खाएं। पूरे टूर्नामेंट में डिफेंसिव यूनिट भारत की सबसे

बड़ी ताकतों में से एक रही है, जिसमें दिग्गज गोलकीपर सविता और बिचू देवी ने गोलपोस्ट के बीच भरोसेमंद मौजूदगी दिखाई है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ, डिफेंस की वह मजबूती फिर से अहम होगी, लेकिन भारत को अटैकिंग थर्ड में भी ज्यादा बेहतर प्रदर्शन की जरूरत होगी। टीम ने ओपन प्ले और पेनाल्टी कॉर्नर दोनों के जरिए मौके बनाए हैं। अब इन मौकों को गोल में बदलना जरूरी है, जो ऐसे मैच में निर्णायक साबित हो सकता है जहां जीत-हार का अंतर बहुत कम होने की संभावना है।



चुनौतियों को अवसर में बदलकर एमपी बना सबसे तेज गति से प्रगति करने वाला राज्य: मुख्यमंत्री

नई दिल्ली में इकॉनामिक टाइम्स वर्ल्ड लीडर्स फोरम-2026 में बोले सीएम- निवेश करें और अपना कारोबार चार गुना बढ़ाएं



मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि देश के साथ मध्यप्रदेश भी तेजी से बदल रहा है कभी बीमारू प्रदेश का टैग झेलने वाला मध्यप्रदेश आज

चुनौतियों को अवसर में बदलकर देश के तेज गति से प्रगति करने वाले राज्यों में शामिल हो गया है कृषि के साथ अब औद्योगिक विकास में भी प्रदेश तेजी से आगे बढ़ रहा है मुख्यमंत्री शनिवार को

नई दिल्ली में आयोजित इकॉनामिक टाइम्स वर्ल्ड लीडर्स फोरम-2026 के मध्यप्रदेश सत्र को संबोधित कर रहे थे सत्र का विषय फायरसाइड चैट ऑन एमपी: अनलॉकिंग द हार्ट ऑफ़ इंडिया रहा इस दौरान उन्होंने निवेशकों को प्रदेश की औद्योगिक संभावनाओं और सरकार की उद्योग-मित्र नीतियों की जानकारी दी निवेशकों से बोले- मध्यप्रदेश आपको बुला रहा मुख्यमंत्री ने निवेशकों से मध्यप्रदेश में निवेश करने का आह्वान करते हुए कहा कि प्रदेश असीम संभावनाओं और अवसरों वाला राज्य है उन्होंने कहा कि निवेशक मध्यप्रदेश आएँ सरकार की उद्योग-मित्र नीतियों का लाभ उठाएं और अपने व्यापार-व्यवसाय को चार गुना बढ़ाएं उन्होंने कहा कि प्रदेश में निवेश से उद्योगों के साथ रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे और मध्यप्रदेश सहित देश की अर्थव्यवस्था को गति मिलेगी ग्रीन मैनुफैक्चरिंग हब बनने की तैयारी डॉ.

यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश ग्रीन मैनुफैक्चरिंग हब बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। सौर और पवन ऊर्जा की संभावनाओं का उपयोग कर स्वच्छ ऊर्जा आधारित औद्योगिक विकास को बढ़ावा दिया जा रहा है सरकार उद्योगों के लिए ऊर्जा भूमि और अधोसंरचना उपलब्ध कराने के साथ स्वच्छ ऊर्जा आधारित निवेश को प्राथमिकता दे रही है। सेमीकंडक्टर से डेटा सेंटर तक अवसर मुख्यमंत्री ने कहा कि टेक्सटाइल गारमेंट फार्मास्यूटिकल्स ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग इलेक्ट्रॉनिक्स सेमीकंडक्टर डेटा सेंटर खाद्य प्रसंस्करण और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में निवेश की व्यापक संभावनाएं हैं आधुनिक औद्योगिक पार्कों के जरिए निवेशकों को आवश्यक सुविधाएं उद्योगों का जा रही हैं एमएसएमई और स्टार्टअप के लिए भी अनुकूल वातावरण तैयार किया जा रहा है ईज ऑफ़ डूइंग बिजनेस पर जोर मुख्यमंत्री

रगला रेलवे फाटक के पास ट्रेन से गिरकर व्यक्ति की मौत, अब तक नहीं हुई शिनाख्त

मीडिया ऑडीटर, उचेहरा (निप्र)। उचेहरा थाना क्षेत्र में मैहर-उचेहरा रेलवे स्टेशन के बीच रगला रेलवे फाटक के पास ट्रेन से गिरने के बाद एक अज्ञात व्यक्ति की मौत हो गई। घटना की सूचना रेलवे विभाग की ओर से पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही उचेहरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच शुरू की पुलिस के अनुसार हादसा रगला रेलवे फाटक के पास हुआ ट्रेन से गिरने के कारण व्यक्ति की मौत होने की जानकारी सामने आई है मृतक की पहचान नहीं हो सकी है घटना की सूचना मिलने के बाद उपनिरीक्षक प्रीतम सिंह और आरक्षक नरेंद्र सिंह पटेल मौके पर पहुंचे शव को मरच्युरी में रखवाया पुलिस टीम ने घटनास्थल की जांच करने के बाद मृतक के शव को कब्जे में लिया इसके बाद शव को उचेहरा अस्पताल की मरच्युरी में सुरक्षित रखवाया गया पुलिस ने मौके का पंचनामा तैयार कर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है पहचान के प्रयास जारी रखर लिखे जाने तक मृतक की शिनाख्त नहीं हो सकी थी पुलिस मृतक की



पहचान के लिए आसपास के क्षेत्रों में जानकारी जुटा रही है साथ ही रेलवे स्टेशन और आसपास के लोगों से भी पूछताछ की जा रही है ताकि मृतक के संबंध में कोई जानकारी मिल सके पुलिस ने लोगों से अपील की है कि यदि किसी व्यक्ति के लापता होने की जानकारी है या मृतक से संबंधित कोई जानकारी उनके पास है तो वे उचेहरा थाने में संपर्क करें पुलिस का कहना है कि पहचान होने के बाद ही मृतक से संबंधित अन्य जानकारी स्पष्ट हो सकेगी फिलहाल पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है ट्रेन से व्यक्ति किन परिस्थितियों में गिरा इसकी भी जांच की जा रही है पुलिस घटनाक्रम से जुड़े तथ्यों और उपलब्ध जानकारी के आधार पर आगे की कार्रवाई करेगी।

मैहर में 10.31 ग्राम स्मैक के साथ आरोपी गिरफ्तार, 50 हजार का मादक पदार्थ जब्त



मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे ऑपरेशन प्रहार के तहत मैहर कोतवाली पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 10.31 ग्राम अवैध स्मैक (ब्राउन शुगर) के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है पुलिस ने जब्त मादक पदार्थ की अनुमानित कीमत करीब 50 हजार रुपए बताई है आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई की जा रही है मुखबिर की सूचना पर पहुंची पुलिस पुलिस के अनुसार, 22 अगस्त को कोतवाली पुलिस टीम क्षेत्र में भ्रमण कर रही थी इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि विनायका मोहल्ले में एक व्यक्ति स्मैक बेचने

की फिराक में खड़ा है। सूचना की पुष्टि के बाद पुलिस टीम ने बताए गए स्थान पर पहुंचकर घेराबंदी की पुलिस को देखकर संदिग्ध ने मौके से भागने का प्रयास किया, लेकिन पुलिस टीम ने घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया पूछताछ में उसकी पहचान नईम उर्फ लल्लू खान (38) निवासी विनायका मोहल्ला, मैहर के रूप में हुई तलाशी में मिली 10.31 ग्राम स्मैक पुलिस ने संदिग्ध की तलाशी ली इस दौरान उसके कब्जे से 10.31 ग्राम अवैध स्मैक बरामद हुई पुलिस के मुताबिक जब्त स्मैक की अनुमानित कीमत करीब 50 हजार रुपए है मादक पदार्थ को जब्त कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है मामले में आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है पुलिस यह भी जांच कर रही है कि आरोपी मादक पदार्थ कहाँ से लेकर आया था और इसके कारोबार से जुड़े अन्य लोगों की कोई भूमिका है या नहीं पुलिस टीम की रही महत्वपूर्ण भूमिका कार्रवाई में उप निरीक्षक संतोष सिंह, प्रधान आरक्षक हिमांशु, आरक्षक राजेंद्र, सोमेश और आरक्षक अलका तिवारी की महत्वपूर्ण भूमिका रही पुलिस का कहना है कि नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा।

एकेएस विश्वविद्यालय में उल्लास के साथ मनाई गई हरियाली तीज, मेहंदी प्रतियोगिता में दिखी छात्राओं की रचनात्मकता

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। एकेएस विश्वविद्यालय में महिला विकास प्रकोष्ठ की ओर से हरियाली तीज का पर्व उत्साह और उल्लास केसाथ मनाया गया कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की महिला प्रध्यापकाओं और छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। आयोजन के दौरान भारतीय संस्कृति और लोक परंपराओं की सुंदर झलक देखने को मिली हरे रंग के परिधानों में पहनी महिलाओं और छात्राओं ने कार्यक्रम को तीज के रंग में रंग दिया कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रीति सोनी, आस्ती सोनी और ज्योति सोनी उपस्थित रहीं अतिथियों ने हरियाली तीज के सांस्कृतिक एवं पारंपरिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए



इसे भारतीय लोक परंपरा से जुड़ प्रमुख पर्व बताया उन्होंने महिला विकास प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित कार्यक्रम की सफलता की हरियाली तीज के अवसर पर छात्राओं के लिए मेहंदी प्रतियोगिता आयोजित की गई इसमें छात्राओं ने उत्साह के साथ भाग लिया और आकर्षक डिजाइनों के माध्यम से अपनी रचनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया प्रतियोगिता में

डिजाइनों की रचनात्मकता, सफाई और प्रस्तुति के आधार पर विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए गए प्रतियोगियों में भी सहभागिता के लिए सम्मानित किया गया महिला विकास प्रकोष्ठ का यह आयोजन विश्वविद्यालय की महिला प्रध्यापकाओं और छात्राओं के लिए एक सफल कार्यक्रम था पारंपरिक गीत-संगीत और नृत्य की प्रस्तुतियों ने भी कार्यक्रम में चार चांद लगाए

नशीली कफ सिरप के मामले में 3 गिरफ्तार, 61 शीशियां जब्त

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सिटी कोतवाली पुलिस ने नशीली कफ सिरप के अवैध कारोबार के मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 61 शीशी अनेरेक्स कफ सिरप बरामद की है, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 15 हजार 500 रुपए बताई गई है तीनों आरोपियों को रविवार को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया पुलिस के अनुसार, शनिवार को टीम शहर में गश्त कर रही थी। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि दो युवक कफ सिरप लेकर स्टेशन की ओर जा रहे हैं। सूचना पर पुलिस ने रामना टोला से स्टेशन जाने वाली गली में घेराबंदी कर दोनों को रोकने का प्रयास किया। पुलिस को देखकर दोनों भागने लगे, लेकिन टीम ने उन्हें पकड़ लिया पूछताछ में

उनकी पहचान सूरज वर्मा (20) निवासी मुंबई और शिवम राजभर उर्फ बादी (19) निवासी आजमगढ़ के रूप में हुई। शिवम वर्तमान में मुंबई में रह रहा है। तलाशी लेने पर दोनों के बैग से 39 शीशी अनेरेक्स कफ सिरप मिली। आरोपी सिरप से संबंधित कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सके पूछताछ में दोनों ने पुलिस को बताया कि उन्होंने यह सिरप बजरहा टोला के पास रहने वाले उदय सिंह से खरीदी थी इसके बाद पुलिस ने उदय सिंह की तलाश शुरू की चौकू प्वाइंट, बजरहा टोला के पास पुलिस ने उदय सिंह उर्फ प्रिंस उर्फ कल्लू (19), निवासी आदर्श नगर, हवाई पट्टी, कोलगावों को पकड़ा उसके कब्जे से 22 शीशी कफ सिरप बरामद हुई पुलिस ने तीनों के खिलाफ कार्रवाई कर उन्हें न्यायालय में पेश किया।

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। चित्रकूट में लगातार बारिश के बाद बढ़े मंदाकिनी नदी के जलस्तर में अब कमी दर्ज की जा रही है प्रशासन के अनुसार आरोग्यधाम क्षेत्र में नदी का वर्तमान जलस्तर 136.46 मीटर दर्ज किया गया है जबकि नदी का उच्चतम बाढ़ स्तर 139.60 मीटर निर्धारित है। जलस्तर में लगातार कमी का स्थान सामने आने से बाढ़ की स्थिति में सुधार के संकेत मिले हैं प्रशासन और संबंधित विभाग नदी के जलस्तर पर लगातार निगरानी रख रहे हैं। अधिकारियों का कहना है कि जलस्तर कम होने के साथ नदी किनारे और निचले क्षेत्रों में जलभयव की स्थिति में भी धीरे-धीरे गहव मिलने की संभावना है। हालांकि स्थानीय परिस्थितियों को देखते हुए लोगों को सावधानी बरतने के



निर्देश दिए गए हैं लगातार बारिश के कारण नदी के जलस्तर में बढ़ोतरी से चित्रकूट के नदी किनारे और निचले क्षेत्रों में जलभयव की स्थिति बनी थी अब जलस्तर घटने से

इन क्षेत्रों में स्थिति सामान्य होने की उम्मीद है प्रशासन की टीमें परिस्थितियों पर नजर बनाए हुए हैं, ताकि जरूरत पड़ने पर तत्काल आवश्यक कदम उठाए जा सकें अधिकारियों ने स्थानीय लोगों से नदी और जलभयव वाले क्षेत्रों में अनावश्यक रूप से जाने से बचने तथा प्रशासन द्वारा जारी सावधानियों का पालन करने की अपील की है इसी बीच सोहावल विकासखंड की ग्राम पंचायत बाबूपुर में ग्रामीणों को जलभयव की समस्या से राहत दिलाने के लिए जल निकासी की व्यवस्था कराई गई गांव में गंदा पानी जमा होने से ग्रामीणों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा था मामले की जानकारी मिलने पर ग्राम पंचायत के सरपंच और सचिव ने मौके का निरीक्षण किया निरीक्षण के बाद पंचायत स्तर पर आवश्यक

कार्रवाई करते हुए पानी की निकासी के लिए उचित व्यवस्था कराई गई इससे गांव में जमा पानी को बाहर निकालने के साथ ग्रामीणों के आवागमन में भी सुविधा मिलने की उम्मीद है प्रशासन की ओर से ग्राम पंचायतों को बारिश के दौरान जलभयव वाले क्षेत्रों पर विशेष निगरानी रखने और आवश्यकता पड़ने पर तत्काल जल निकासी की व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए हैं साथ ही साफ-सफाई व्यवस्था सुचारू बनाए रखने पर भी जोर दिया गया है प्रशासन का कहना है कि बारिश के दौरान जलभयव से ग्रामीणों को असुविधा न हो इसके लिए पंचायत स्तर पर जरूरी कदम उठाए जाएं चित्रकूट में मंदाकिनी नदी का जलस्तर घटने के बावजूद प्रशासन स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है।